वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 191 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली गुरूवार 24 सितंबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

केंद्रीय रेलराज्य मंत्री सुरेश अंगड़ी का कोरोना से निधन

बुधवार देर शाम एम्स में ली अंतिम सांस, 11 सितम्बर को हुए थे पॉजिटिव

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 23 सितंबर। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगड़ी का बुधवार की देर शाम निधन हो गया है। दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। कुछ दिन पहले वो कोरोना संक्रमित पाए गए थे, इसके बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था।

सुरेश अंगड़ी ने 11 सितंबर को कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी दी थी। सुरेश अंगड़ी 65 वर्ष के थे। अंगड़ी चार बार बेलगावी संसदीय क्षेत्र से सांसद रहे।

सुरेश अंगड़ी संसद के मानसून सत्र के पहले जांच में कोरोना विषणु से संक्रमित पाए गए थे। उनके परिवार में पत्नी और दो पुत्रियां हैं। उन्होंने रात करीब आठ बजे अंतिम सांस ली। सुरेश अंगड़ी के निधन की खबर से हर कोई स्तब्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित समूची केंद्रीय कैबिनेट ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट में कहा, सुरेश अंगड़ी एक असाधारण कार्यकर्ता थे, जिन्होंने कर्नाटक में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। वह एक समर्पित सांसद और प्रभावी मंत्री थे, जो पूरे स्पेक्ट्रम में प्रशंसित थे। उनका निधन दुखद है। इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हूं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नडडा ने केन्द्रीय मंत्री सुरेश

अंगडी के निधन से अत्यंत दुखी हैं। वह एक अच्छे नेता थे जिन्होंने अपना सारा जीवन संगठन के लिए समर्पित कर दिया और अत्यंत परिश्रम और करुणा के साथ समाज की सेवा की।

रेलमंत्री पीयूष गोयल ने सुरेश अंगडी के निधन पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वह मेरे भाई जैसे थे। लोगों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समर्पण का भाव बहुत अच्छा रहा।

मुझे उनके साथ मिलकर काम करने का सौभाग्य मिला और उन्होंने मेरे जीवन में एक अमिट छाप छोड़ी। मैं वास्तव में उसे याद करूंगा।

उधर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगड़ी के असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि सुरेश अंगड़ी लोकप्रिय राजनेता थे और 2004 से वर्तमान समय तक लगातार लोकसभा के सद्स्य रहे. उनका रेलवे मंत्रालय का कार्यकाल भी शानदार रहा। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। बता दें कि केंद्रीय मंत्री ने 11 सितंबर को ट्वीट के जरिए बताया था उनका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है।

उन्होंने उस समय किए अपने ट्वीट में बताया था कि मेरा कोविड 19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। डॉक्टरों की सलाह से मैं ठीक हो रहा हूं। साथ ही संपर्क में आए सभी लोगों और करीबियों से किसी भी तरह के लक्षण दिखने पर कोरोना टेस्ट कराने की अपील की थी। इसी के बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अस्पताल में हुए भर्ती

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सांस लेने में परेशानी के बाद बुधवार की शाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें कोरोना संक्रमण के बाद सांस लेने में परेशानी के कारण लोकनायक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीते 14 सितंबर को उन्हें कोरोना संक्रमण हुआ था। इसके बाद से वह होम आइसोलेशन में थे। बता दें कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जब कोरोना पॉजिटिव हुए थे तब इसकी जानकारी उन्होंने खुद ट्वीट कर दी थी। मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर बताया था कि हल्का बुखार होने के बाद उन्होंने कोरोना टेस्ट कराया था जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि इसके बाद उन्होंने खुद को घर में ही आइसोलेट कर लिया था। डिप्टी सीएम ने कहा था कि आप सब की दुआओं से जल्द ही पूर्ण स्वस्थ होकर काम पर लौटूंगा। हाल में ही दिल्ली में विधानसभा सत्र के दौरान हुए कोरोना टेस्ट के दौरान तीन विधायक भी पॉजिटिव मिले थे। इनमें गिरीश सोनी, प्रमिला टोकस और विशेष रवि कोरोना संक्रमित थे। ये सभी आम आदमी पार्टी के विधायक हैं। प्रेमिला टोकस आरके पुरम विधानसभा से विधायक हैं जबकि गिरीश सोनी मादीपुर से विधायक हैं। वहीं विशेष रवि करोल बाग से आम आदमी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीते थे। राजधानी में कोरोना के मामले ढाई लाख के पार पहुंच गए हैं। पिछले 24 घंटे में 59,013 सैंपल की जांच हुई और 3,816 नए मामले आए। वहीं 3,097 मरीज ठीक हुए और 37 मरीजों की मौत हो गई।

कृषि अध्यादेशों के विरोध में सड़कों पर उतरी कांग्रेस

दिल्ली कूच को रास्ते में पुलिस ने रोका, लाठीचार्ज

(विशेष संवाददाता)

चंडीगढ़/पानीपत, 23 सितंबर। केंद्र सरकार के कृषि अध्यादेश पास किए जाने के विरोध में बुधवार को हरियाणा यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़कों उतरे।

प्रदेशाध्यक्ष सचिन कुंडू के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ट्रैक्टरों पर सवार होकर पानीपत से दिल्ली की ओर कूच किया। मगर पुलिस ने समालखा फ्लाई ओवर पर यूथ कांग्रेस के काफिले को रोक लिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेरीकेड तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल करते हुए भीड़ को तितरबितर किया और युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष सचिन कुंडू व समालखा विधायक धर्म सिंह छौक्कर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। कृषि अध्यादेशों के विरोध में यूथ कांग्रेस की ओर से दिल्ली कूच की योजना तैयार की गई थी। पंजाब के बाद हरियाणा यूथ कांग्रेस ने दिल्ली की ओर रूख किया

तो पुलिस ने बीच रास्ते में रोक लिया। पुलिस की इस कार्रवाई का विरोध करते हुए यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया और बेरीकेड को लांघने की कोशिश की। मगर पुलिस ने उग्र होती भीड़ को तितर बितर करने के लिए वाटर कैनन का प्रयोग किया और लाठियां भी भांजी। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास वी.बी. कहा कि आज पूरे देश में किसान सडकों पर हैं। जिनका यूथ कांग्रेस द्वारा समर्थन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब के बाद अब हरियाणा यूथ कांग्रेस भी दिल्ली कूच कर रही है।

आने वाले दिनों में इस संघर्ष को और तेज किया जाएगा। साल 2014 को सत्ता में आए नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद से ही, देश में किसान की स्थित बदतर होने लगी थी। 2014 से 2019 के बीच किसान आत्महत्याओं में एकाएक उछाल आता है और आंकड़े लगभग दोगुने हो जाते हैं। अखिल भारतीय युवा कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अलावरू ने यूथ कांग्रेस के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आज केंद्र सरकार पूंजीपतियों के हाथ में खेल रही है। केंद्र सरकार ने किसानों को पूंजीपतियों के पास गिरवीं रखने का काम किया है। हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के प्रधान सचिन कुंडू ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा अलोकतांत्रिक तरीके से पास किए गए तीन किसान विरोधी अध्यादेशों के विरुद्ध प्रदेश का युवा व किसान वर्ग निराश है। कुंडू ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आधार कृषि तंत्र है, जहां पूर्व निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य के आधार पर अनाज व सब्जी मंडियों मो किसान की फसल, फल आदि की बिक्री होती है।

कोरोना पर पीएम मोदी की मुख्यमंत्रियों संग बैठक बोले- जांच, ट्रेसिंग, इलाज पर केंद्रित करें ध्यान

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हाई लेवल मीटिंग की। उन्होंने महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक समेत सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों एवं स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बातचीत की। इस बैठक में उन राज्यों को शामिल किया गया है, जो कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। बैठक में पीएम मोदी ने जांच, ट्रेसिंग, इलाज पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। कोरोना वायरस के तकरीबन 63 फीसदी सक्रिय मामले इन सात राज्यों में हैं। इस बैठक में दिल्ली के अरविंद केजरीवाल, महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे, आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी, कर्नाटक के येदियुरप्पा समेत अन्य मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री शामिल हुए। वर्चुअल मीटिंग में गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल रहे।

कोरोना वायरस की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्रियों से

कहा कि हमें प्रभावशाली जांच, ट्रेसिंग, इलाज, निगरानी और स्पष्ट संदेश पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, कोविड19 से लड़ते हुए हमें आर्थिक मोर्चे पर भी पूरी ताकत से आगे बढ़ना होगा इसके अलावा, पीएम ने बताया कि अब मुख्यमंत्री राज्य आपदा राहत कोष का इस्तेमाल कोरोना के लिए 35 फीसदी की बजाय 50 फीसदी कर सकते हैं। देश में कोरोना के कुल पुष्ट मामलों का तकरीबन 65 फीसदी और कुल मृत्यु के 77 फीसदी मामले भी इन्हीं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। पंजाब, दिल्ली और अन्य पांच राज्यों में हाल ही में कुल मामलों की संख्या में काफी तेज वृद्धि दर्ज की गई है। महाराष्ट्र, पंजाब और दिल्ली में मृतकों की संख्या भी काफी बढ़ी है। इन राज्यों में मृत्यु दर दो प्रतिशत से अधिक है जो कि मृत्यु दर का उच्च औसत है। बैठक को लेकर मंगलवार को जारी बयान में कहा गया था कि केंद्र सरकार राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रभावी सहयोग और निकट समन्वय के साथ मिलकर कोविड19 महामारी के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रही है। केंद्र सरकार उनकी स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार सहायता कर रही है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स नई दिल्ली के सहयोग से किए गए ईआईसीयू टेली परामर्श के माध्यम से आईसीयू का संचालन करने वाले डॉक्टरों की नैदानिक प्रबंधन क्षमताओं को काफी हद तक बेहतर किया गया है।

विपक्ष सांसदों ने कृषि अध्यादेश के विरोध निकाला मार्च

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 सितंबर । मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेतृत्व में आज अनेक विपक्षी पार्टियों के सदस्यों ने किसान विरोधी तथा श्रमिक विरोधी विधेयकों के विरोध में संसद भवन परिसर में गांधी प्रतिमा से अंबेडकर प्रतिमा तक मार्च निकाला। विपक्ष आठ सदस्यों के निलंबन और कृषि सुधार विधेयकों में संशोधन की मांग को लेकर मंगलवार से ही कार्यवाही का बहिष्कार कर रहा है।

कांग्रेस के साथ साथ तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, वाम दल, द्रमुक, राजद, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, आम आदमी पार्टी, आईयूएमएल, जनता दल एस जैसे विपक्षी दलों के सदस्य सत्र का बहिष्कार कर रहे हैं। इससे पहले इन सभी दलों के नेताओं की विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद के कक्ष में आगे की रणनीति बनाने के लिए बैठक हुई। बैठक के बाद विपक्षी सदस्यों ने संसद परिसर में गांधी प्रतिमा से अंबेडकर प्रतिमा तक मार्च निकाला। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने विरोध मार्च का फोटो ट्वीट करते हुए लिखा, 'कांग्रेस तथा समान विचारधारा वाले दलों के सदस्यों ने किसान तथा श्रमिक विरोधी विधेयकों के विरोध में संसद परिसर में गांधी प्रतिमा से लेकर अंबेडकर प्रतिमा तक मार्च किया है। ये विधेयक मोदी सरकार द्वारा अलोकतांत्रिक तरीके से पारित कराये गये हैं।' कृषि सुधार से संबंधित दो विधेयकों का राज्यसभा में विपक्षी सदस्यों ने सोमवार को कड़ा विरोध किया था। इस दौरान हुए हंगाम के चलते विपक्ष के आठ सदस्यों को शेष सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया था। इन सदस्यों ने इसके विरोध में एक दिन तक गांधी प्रतिमा के सामने धरना दिया।

14 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना की दर राष्ट्रीय औसत से कम: केंद्र

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत में कोविड19 जांच की संख्या 6.6 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है और आज की तारीख में प्रति 10 लाख की आबादी पर नमूनों की जांच की संख्या 48,028 हो गई है। इसके साथ ही देश में संक्रमण की दर का आंकड़ा 8.52 प्रतिशत है। मंत्रालय ने कहा कि देश में कोविड19 जांच क्षमता में काफी वृद्धि हुई है और यह अब हर रोज 12 लाख से अधिक हो गई है। कुल 6,62,79,462 नमूनों की 22 सितंबर तक जांच की जा चुकी है। इनमें से 9,53,683 नमूनों की जांच मंगलवार को की गई।

इसने कहा कि गुजरात, ओडिशा, पंजाब, उत्तराखंड, असम, हरियाणा और त्रिपुरा सहित 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कोविड19 के खिलाफ अच्छा काम हो रहा है, जहां संक्रमण की दर राष्ट्रीय औसत से कम है तथा प्रति 10 लाख की आबादी पर जांच की संख्या अधिक है। मंत्रालय ने कहा, अधिक संख्या में जांच किए जाने से संक्रमण के मामलों का शुरू में ही पता चल जाता है। जैसा कि साक्ष्यों से पता चला है कि अंततः संक्रमण की दर में कमी आएगी। राष्ट्रीय स्तर पर संक्रमण की दर 8.52 प्रतिशत है और आज की तारीख में प्रति 10 लाख की आबादी पर नमूनों की जांच का आंकड़ा 48,028 है। इसने कहा कि देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 83,347 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 74 प्रतिशत 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, केरल, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ से हैं।

24 घंटे में 89 हजार मरीज हुए ठीक, 83 हजार नए मरीज

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश में 21वें दिन लगातार हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। अबतक कोरोना से संक्रमित 90 हजार लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि भारत दुनियाभर में रिकवर केसों के मामलों में सबसे टॉप स्थान पर बना हुआ है। देश में पिछले 24 घंटों में 83,347 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं और 1085 लोगों की जान भी चली गई है। दो सितंबर से लगातार देश में एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। अच्छी खबर ये है कि 24 घंटे में अबतक 89,746 मरीज ठीक भी हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, देश में अब कुल कोरोना संक्रमितों की संख्या 56 लाख 46 हजार हो गई है। इनमें से 90,020 लोगों की मौत हो चुकी है। एक्टिव केस की संख्या

घटकर 9 लाख 68 हजार हो गई और 45 लाख 87 हजार लोग ठीक हो चुके हैं। संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या की तुलना में स्वस्थ हुए लोगों की संख्या करीब चार गुना अधिक है। राहत की बात है कि मृत्यु दर और एक्टिव केस रेट में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मृत्यु दर गिरकर 1.58% हो गई। इसके अलावा एक्टिव केस जिनका इलाज चल है उनकी दर भी घटकर 17% हो गई है। इसके साथ ही रिकवरी रेट यानी ठीक होने की दर 81% हो गई है। भारत में रिकवरी रेट लगातार बढ़ रहा है। देश में सबसे ज्यादा एक्टिव केस महाराष्ट्र में हैं। महाराष्ट्र लगातार कोरोना की सबसे बुरी मार झेलने वाला राज्य बना हुआ है। यहां अब तक 12 लाख मामले और 33 हजार मौतें दर्ज हो चुकी हैं।

काशी की बेटी शिवांगी उड़ाएंगी राफेल

बनी देश की राफेल स्काड्रन की पहली महिला फाइटर पायलट

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वारणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र से बनारस की बेटी शिवांगी सिंह देश की रक्षा खातिर राफेल उड़ायेंगी। पलक झपकते दुश्मन देशों की काम तमाम करेंगी। वह राफेल उड़ाने वाली देश की पहली महिला पायलट फ्लाइंग लेफ्टिनेंट बन गयी है। बता दें, शिवांगी का चयन भारतीय वायु सेना में 2015 में हुआ था और 2017 में कमीशन मिला। बनारस में पली बढ़ीं और बीएचयू से एनसीसी करने के बाद शिवांगी ने भारतीय वायु सेना की राफेल स्काड्रन की पहली महिला फाइटर पायलट बनने का सौभाग्य हासिल किया है।

फ्लाइट लेफ्टिनेंट शिवांगी भारतीय वायुसेना के सबसे पुराने जेट विमान मिग 21 बाइसन और सुखोई एमकेआई से लेकर आधुनिकतम राफेल विमान को उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला भी हैं। वहीं इस बाबत जानकारी मिलने के बाद से ही शिवंगी के घर में जश्न का माहौल है। परिवार को जहां अपनी बेटी पर गर्व है वहीं पड़ोसियों के अनुसार शिवांगी

के सपने हमेशा से ऊंचे रहे हैं और आज वह आसमान की बुलंदियों को छू रही है। हैदराबाद में ट्रेनिंग पूरी होने के बाद शिवांगी इस समय मिग21 की फाइटर पायलट हैं और वह राजस्थान में हैं। इधर राफेल उड़ाने के लिए चयन होने के बाद शिवांगी सिंह के फुलवरिया स्थित घर में जश्न का माहौल है। परिवार के सदस्य मिठाई बांटकर खुशी का इजहार कर रहे हैं।

वाराणसी में स्कूलिंग के बाद उच्च शिक्षा के लिए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) पढ़ने गई थीं। बीएचय में ही वह नेशनल कैडेट कोर में 7 यूपी एयर स्काड्रन का हिस्सा थीं। बीएचयू से 2013 से 2015 तक एनसीसी कैडेट रहीं। साथ ही सनबीम भगवानपुर से बीएससी किया। शिवांगी दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में 2013 में उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

उन्होंने 2016 में प्रशिक्षण के लिए वायु सेना अकादमी ज्वाइन की थी। मां सीमा सिंह ने बताया कि शिवांगी इस समय राजस्थान में है। बेटी ने जो सपना देखा था उसे पूरा किया है। उन्होंने बताया कि पिछले 16 दिसंबर 2017 को ही हैदराबाद स्थित एयर फोर्स अकादमी में उसे फाइटर पायलट का तमगा मिला था। रविवार को बेटी के साथ बात हुई थी। उसके बाद से उससे कोई बात नहीं हो पाई है। उधर पिता कुमारेश्वर सिंह ने बताया कि बिटिया ने मान बढ़ाया है। इसे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब बस बिटिया की राफेल उड़ाते देखने का सपना है वो भी पूरा हो जाएगा। शिवांगी की मां सीमा सिंह गृहिणी हैं और भाई मयंक बनारस में 12वीं का छात्र है।

फेसबुक इंडिया पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विधानसभा की कमेटी को दिया निर्देश, 15 अक्टूबर तक ना बुलाएं

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 23 सितंबर । उचतम न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा की शांति और सद्भाव समिति को निर्देश दिया कि फेसबुक इंडिया के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजित मोहन को उत्तर पूर्वी दिल्ली के दंगों के बारे में गवाही देने के लिये जारी सम्मन के सिलसिले में उनके खिलाफ 15 अक्टूबर तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाये। विधानसभा की शांति और सद्भाव समिति ने फेसबुक इंडिया के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को इस सोशल मीडिया मंच के खिलाफ शिकायतों के सिलसिले में नोटिस जारी किया था।

इस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि फेसबुक ने अपने मंच पर नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री पर अंकुश लगाने के लिये जानबूझ कर कोई कार्रवाई नहीं की थी। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने विधानसभा सचिव, कानून एवं न्याय मंत्रालय, गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, लोकसभा तथा राज्यसभा को उनके महासचिवों के

माध्यम से और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किये। पीठ ने इन सभी से जवाब मांगे हैं। शीर्ष अदालत ने मोहन और फेसबुक इंडिया ऑनलाइन सिर्वसेज प्रा लि और फेसबुक इंक की याचिका पर यह आदेश दिया। इस याचिका में विधानसभा की शांति और सद्भाव समिति द्वारा 10 और 18 सितंबर को जारी नोटिस को चुनौती दी गयी है। याचिका में कहा गया है कि समिति को याचिकाकर्ताओं को उसके समक्ष पेश होने के लिये सम्मन जारी करने या फिर उसके समक्ष पेश नहीं होने पर विशेषाधिकार हनन के लिये जिम्मेदार ठहराने का अधिकार नहीं है । विधानसभा की यह समिति इस साल फरवरी में दिल्ली में हुये दंगों के संबंध में कथित नफरत फैलाने वाले भाषण के मामले में सोशल मीडिया के इस मंच की भूमिका की जांच कर रही है। मोहन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि समिति सदन के विशेषाधिकार हनन के बारे में फैसला नहीं ले सकती है और सोशल मीडिया पर केन्द्र सरकार का प्रशासनिक नियंत्रण है। साल्वे ने कहा, विशेषाधिकार ऐसी चीज है, जिसके बारे में विधान सभा को निर्णय करना होता है। एक समिति यह निर्णय नहीं कर सकती कि क्या विशेषाधिकार के सवाल पर कार्रवाई की जा सकती है या नहीं।'' उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार मोहन को इस समिति के समक्ष पेश होने के लिये बाध्य करके दंड की पीड़ा' नहीं दे सकती है। उन्होंने कहा कि मोहन को संविधान के अनुछेद 19(1)(ए) के तहत नहीं बोलने का मौलिक अधिकार है और अमेरिका स्थित कंपनी में काम करने की वजह से वह राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील मुद्दे पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। साल्वे ने कहा, यह विषय बहुत ही संवेदनशील है ।

एक नजर

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । देश में बुधवार को पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रहे। इससे पहले सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार तक डीजल के दाम में लगातार छह दिन कटौती की थी जबकि तीन दिन बाद पेट्रोल की कीमत में भी नौ पैसे तक कमी की गई थी।

तेल विपणन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंडियन आयल के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 81.06 जबकि डीजल 71.28 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 87.74 रुपये प्रति लीटर और डीजल 77.74 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। कोलकाता में पेट्रोल 82.59 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल का दाम 74.80 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 84.14 रुपये प्रति लीटर रही जबकि डीजल 76.72 रुपये प्रति लीटर रही ।

बजाज फिनसर्व ने की हेल्थ-टेक वेंचर की शुरुआत

नई दिल्ली। वित्तीय सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी बजाज फिनसर्व लिमिटेड ने आज अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बजाज फिनसर्व हेल्थ लिमिटेड के लॉन्च की घोषणा की। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि पहले से ज्यादा स्मार्ट, कनेक्टेड तथा संपूर्ण देखभाल हेतु विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से इस हेल्थटेक सॉल्यूशन बिजनेस की शुरुआत की गई है। इस नए वेंचर के साथ अब बीमा प्रदाता कंपनी ने हेल्थ केयर इकोसिस्टम के क्षेत्र में अपने कदम बढ़ाए हैं, जिसका उद्देश्य हेल्थ सेगमेंट में बड़े पैमाने पर बदलाव लाना तथा उपभोक्ताओं के लिए स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित अनुभव को सुविधाजनक बनाना है, जिसमें इस क्षेत्र के सभी घटकों को शामिल किया जाएगा। बजाज फिनसर्व हेल्थ के नाम से शुरू किए गए इस नए उपक्रम ने अपनी मुख्य पेशकश आरोग्य केयर को बाजार में उतारा है, जिसके जरिए इस उद्योग जगत में पहली बार पर्सनलाइज्ड, प्रिवेंटिव और प्रीपेड हेल्थकेयर पैकेज की पेशकश की गई है।

पूर्व सांसद बीरेन सिंह एंगती के घर में घुसकर हमला, हमलावर गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने एक व्यक्ति को पूर्व संसद सदस्य और आसाम के कार्बी आंगलोंग जिला कांग्रेस कमेटी (केएडीसीसी) के पूर्व अध्यक्ष बीरेन सिंह एंगती के घर में जबरन घुसने के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आसाम के पहाड़िन कांगनेक तोकबी गाँव निवासी देउरी एंगती (35) ने घर में घुसकर सांसद के घर के बाहर खड़ी टोयोटा इनोवा कार के खिड़की के शीशे को तोड़ दिया, इसके अलावा घर में जबरन घुसकर डाइनिंग टेबल और कुर्सियों सहित फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया। हमलावर होता देख सांसद एक घरेलू सहायक इस बदमाश को दबोच कर पकड़ा जिसके बाद इसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार यह घटना मंगलवार 22 सितंबर की सुबह 5꞉30 बजे की बतायी जा रही है। इस पुरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी एकॉन टेरोन ने कहा कि हमलावर बदमाश देउरी एंगती को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इस बदमाश देउरी ने पूर्व सांसद बीरेन सिंह एंगती के घर में जबरन घुस गए और बिना किसी कारण के संपत्ति को नुकसान पहुँचाया। प्रत्यक्षदर्शी पूर्व सांसद के ड्राइवर मुकुल बोरा के बताया कि बदमाश सुबह किसी के पीछे से घर में घुसे थे, जब कोई जाग नहीं रहा था।

विश्व की सबसे लंबी हाई-एल्टीट्यूड शिंकुन ला सुरंग पर जल्द काम शुरू होगा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 23 सितंबर, दुनिया की सबसे लंबी हाईएल्टीट्यूड शिंकुन ला सुरंग पर जल्द काम शुरू होगा। 13.5 किलोमीटर बनने वाली यह सुरंग मनालीकारगिल राजमार्ग को वर्षभर खुला रहेगा। केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के लाहौलस्पीति जिले में इससे जुड़े उपमार्गों पर शीघ्रता से निर्माण करना शुरू हो जाएगा। केंद्र सरकार के सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की ओर से सुरंग बनाई जाएगी।

भारत सरकार केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढ़ांचे के निर्माण को प्राथमिकता दे रही है। पूरे

वर्ष सड़क संपर्क और इसकी उपलब्धता में सुधार के एक समग्र दृष्टिकोण के क्रम में, एनएचआईडीसीएल के प्रबंध निदेशक के के पाठक के नेतृत्व में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के एक दल ने लेह से उत्तर और पदुम होते हुए शिंकुन ला सुरंग के उत्तर और दक्षिण क्षेत्रों के लिए सड़क मार्ग से प्रतिदिन लगभग 12 घंटे की यात्रा करते हुए दो दिनों तक यात्रा की। लद्दाख क्षेत्र में अपनी 5 दिनों की इस यात्रा के दौरान, टीम ने शिंकुन ला सुरंग के उत्तर और दक्षिण मार्गों का दौरा किया और डीपीआर परामर्शकों द्वारा स्थल पर की जा रही भूकनीकी जाँच की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान पाठक ने इन क्षेत्रों में परियोजना के काम में तेजी लाने पर जोर दिया ताकि सर्दियों के मौसम के प्रारंभ होने से पूर्व इस कार्य का 15 अक्टूबर 2020 तक समापन किया जा सके क्योंकि इस समयावधि के पश्चात इस क्षेत्र में भारी बर्फबारी होती है। स्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने लद्दाख और लाहौल एवं स्पीति जिले के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में संपर्क में सुधार लाने के लिए एनएचआईडीसीएल के प्रयासों की सराहना की।

कोरोना संकटः शुरुआती दौर की लापरवाही दोहरा रही केजरीवाल सरकारः आदेश गुप्ता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 23 सितंबर। दिल्ली में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमितों की संख्या को लेकर दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार शुरुआती दौर की लापरवाही को फिर दोहरा रही है।

नतीजा सामने है कि अब संक्रमितों की संख्या बढ़ती ही जा रही है. दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार की कोरोना ऐप पर अस्पतालों में कोरोना आरक्षित बेड, वेंटिलेटर की संख्या का सही से अपडेट नहीं है. कई अस्पताल ऐसे हैं जोकि लंबे समय से बेड व वेंटिलेटर की संख्या को अपडेट नहीं कर रहे हैं. इससे कि मरीजों को सही जानकारी मिल पाए. बता दें कि आदेश गुप्ता इस समय खुद कोरोना संक्रमित हैं और होम आइसोलेशन में हैं. उन्होंने कहा कि इस समय दिल्ली में कोरोना मामलों की संख्या ढाई लाख के पार हो चुकी है. कई दिनों से लगातार चार हजार कोरोना संक्रमित केस मिल रहे हैं. स्थिति गंभीर हो रही है, लेकिन केजरीवाल सरकार फिर वही लापरवाही कर रही है जो शुरुआती दौर में की थी. अस्पतालों में जानकारी देने के लिए दिल्ली सरकार ने 2 जून को ऐप लांच की थी, लेकिन अगले ही दिन इसमें गड़बड़ी सामने आने लगी।

ऐप में अस्पताल में बेड खाली होने की जानकारी दी जा रही है, लेकिन जब मरीज वहां पहुंचता है तो मरीज को लौटाया जा रहा है।

जानकारी अपडेट नहीं की जा रही है. उन्होंने कहा कि कुछ समय तक सुधार रहने के बाद अब जब केस फिर बढ़ने लगे हैं तो फिर वही लापरवाही बरती जा रही है. ऐसे में मरीजों को फिर से भटकना पड़ रहा है।

केंद्र विमान यात्रियो और एजेन्ट को टिकट के पेसे लोटाने के तरीके पर स्थिति स्पष्ट करेः न्यायालय

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 23 सितंबर । उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केन्द्र से कहा कि वह कोविड19 महामारी के दौरान उड़ानें रद्द होने के मद्देनजर विमान यात्रियों और ट्रैवेल एजेन्टों को टिकटों के पैसों की वापसी के तरीके के बारे में शुक्रवार तक स्थिति स्पष्ट करे। शीर्ष अदालत ने केंद्र को विमान यात्रियों के टिकटों का पैसा लौटाने के तरीके के संबंध में 25 सितंबर तक नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने स्वीकार किया कि मौजूदा हलफनामा ठीक से तैयार नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कहा कि उसका सरोकार धन लौटाने और लॉकडाउन के दौरान बुक किये गये टिकटों का पैसा नहीं लौटाने के सवाल तक सीमित है। गैर सरकारी संगठन 'प्रवासी लीगल सेल' की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि अगर कोई एयर इंडिया और इंडिगो आदि विमान से यात्रा के लिये टिकट

बुक कराता है, भारत से बाहर जाता है तो उसी स्थिति में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय का यह हलफनामा लागू होगा। उन्होंने कहा कि महानिदेशालय को उन लोगों को भी धन वापसी के लिये इसमें शामिल करना चाहिए जिन्होंने खाड़ी के देशों जैसे गंतव्यों से भारत लौटने के लिये टिकट बुक कराये थे। इसलिए इस विवाद को हल करने की आवश्यकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए की ओर से सालिसीटर जरनल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार ने सभी की भलाई को ध्यान में रखते हुये टिकटों का पैसा लौटाने का फैसला लिया है और इसका उचित समाधान निकाल लिया जायेगा। मेहता ने कहा कि यात्रियों और विमान कंपनियों के हितों को ध्यान में रखते हुये ही निर्णय लिया गया है। पीठ ने सालिसीटर जनरल से जानना चाहा कि मान लीजिये कि लॉकडाउन से एक दिन पहले एक यात्री लॉकडाउन के दौरान यात्रा के लिये टिकट बुक कराता है तो उसकी टिकट के पैसे की वापसी का क्या होगा। मेहता ने कहा कि उसे तत्काल पैसा वापस नहीं मिलेगा। इस पर पीठ ने जानना चाहा कि उन ट्रैवेल एजेन्टों का क्या होगा।

दिल्ली में जमाखोरी और कालाबाजारी हुई तो होगी कार्रवाई

खाद्य मंत्री इमरान हुसैन ने दिल्ली में आवश्यक वस्तुओं के खुदरा मूल्यों की समीक्षा की

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 23 सितम्बर । दिल्ली के खाद्य और आपूर्ति मंत्री, इमरान हुसैन ने आज दिल्ली में प्याज, टमाटर, आलू और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खुदरा कीमतों से सम्बंधित मुद्दों की समीक्षा की। बैठक में खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग, कृषि उपज विपणन समिति और दिल्ली कृषि विपणन बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान, मंत्री ने आवश्यक वस्तुओं की खुदरा कीमतों के उतारचढ़ाव की समीक्षा की। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में कम हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले साल की तुलना में इस वर्ष प्याज के मांग में कमी रही है तथा प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण प्याज की कीमतें निकट भविष्य में स्थिर होंगी , साथ ही अक्टूबर के अंत तक दिल्ली में पर्याप्त मात्रा में ताजा प्याज की आवक भी आरंभ हो जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि जहां तक टमाटर का संबंध है, वे अत्यधिक खराब होने वाली वस्तु हैं और उनकी कीमतें मौसम के कारकों पर निर्भर हैं क्योंकि उत्पादक राज्यों में भी बेमौसम और भारी बारिश से मांगआपूर्ति की स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जिससे खुदरा कीमतें प्रभावित होती हैं। बैठक में संबंधित एजेंसियों का मानना था कि दिल्ली में जल्द ही टमाटर की खुदरा कीमतों में भी स्थिरता आएगी। आलू के संबंध में, मंत्री को संबंधित अधिकारियों ने सूचित किया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कम उत्पादन के कारण उनके खुदरा मूल्य में वृद्धि हुई है। इमरान हुसैन ने संबंधित एजेंसियों को किसी भी प्रकार की जमाखोरी/होर्डिंग गतिविधियों तथा कालाबाज़ारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इन वस्तओं की खुदरा कीमतें की निकट भविष्य में स्थिर होने की पूर्ण संभावना है। उन्होंने कहा कि जनता को इस बारे में घबराने की कोई जरूरत नहीं है। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों पर कड़ी नजर बनाये हुई है और उन्होंने आश्वासन दिया कि जब भी आवश्यकता होगी , दिल्ली सरकार वस्तुओं की कीमतों के स्थिरीकरण के लिए बाजार में उचित हस्तक्षेप करेगी। माननीय मंत्री ने खाद्य और नागरिक आपूर्ति आयुक्त को यह भी निर्देश दिया कि वे संबंधित विभागों / एजेंसियों के साथ साप्ताहिक बैठकें आयोजित करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें स्थिर और नियंत्रण में रहें।

बिजली उपकरण विनिर्माण क्षेत्र स्थापित करने को लेकर कार्यबल का गठनः आर के सिंह

नई दिल्ली, 23 सितंबर (वेबवार्ता)। केंद्रीय बिजली मंत्री मंत्री आर के सिंह ने बुधवार को कहा कि देश में बिजली उपकरण विनिर्माण के लिये अलग क्षेत्र स्थापित करने के वास्ते कार्य बल का गठन किया गया है। साथ ही उन्होंने घरेलू विनिर्माताओं से उन देशों से आयात बंद करने को कहा है जो चिंता का कारण बने हुए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार आयात पर कड़ी नजर रख रही है क्योंकि बिजली उपकरण को लेकर हमारा जोर स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता में कमी लाने पर है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे सिंह ने इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरर्स एसोसएिशन के सालाना सम्मेलन 2020 में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''हमारा क्षेत्र ऐसा है जो साइबर हमलों की चपेट में आ सकता है। हमने पूरे देश को एक ग्रिड में जोड़ा है... आप एक हिस्से को नीचे लायेंगे तो बाकी हिस्सा ध्वस्त हो जाएगा। इसीलिए हमें सभी आयात की जांच की जरूरत है। वास्तव में हम इस बात का पता लगा रहे हैं कि कहीं आयातित कलपुर्जों में कोई उपकरण तो नहीं लगाया गया। इसीलिए आपको मेरी सलाह है कि उन देशों से आयात बंद कीजिए जिनसे हमें खतरा है या जो चिंता का विषय बने हुए हैं।'' सिंह ने कहा कि सरकार सावधानी पूवर्क आयातित उपरकणों की जांच जारी रखेगी। उन्होंने संकेत दिया कि आयात की पसंद से व्यवसाय को नुकसान भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सरकारउद्योग भागीदारी की जरूरत है। पूरी दुनिया इसी प्रतिरूप पर काम करती है।

प्रशांत भूषण को दिल्ली बार काउंसिल ने भेजा नोटिस, 23 अक्टूबर को पेश होने का आदेश

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 23 सितंबर। ट्विट मामले में सुप्रीम कोर्ट से दोषी ठहराए गए प्रशांत भूषण को बार काउंसिल ऑफ दिल्ली ने 23 अक्टूबर को पेश होने का निर्देश दिया है। बार काउंसिल ऑफ दिल्ली ने इसके लिए बैठक की और फिर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के लेटर पर संज्ञान लेते हुए प्रशांत भूषण को पेश होने का निर्देश दिया है साथ ही कहा गया है कि वह 15 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करें। बार काउंसिल ऑफ दिल्ली की 18 सितंबर को बैठक हुई। बैठक में बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा लिखे गए लेटर को एजेंडे में लिया गया। प्रशांत भूषण के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने मामले को बार काउंसिल ऑफ दिल्ली को रेफर किया था। प्रशांत भूषण के ट्विट के बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा दोषी करार

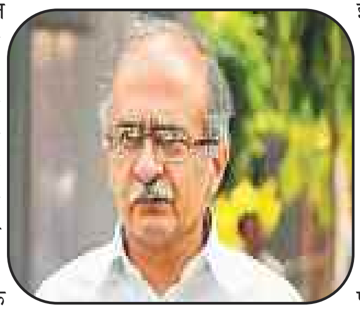

दिए जाने के बाद बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस मामले में मीटिंग की थी और प्रस्ताव पारित कर कहा था कि प्रशांत भूषण ने जो ट्विट किया है उसके कंटेंट के गहन परीक्षण की जरूरत है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने बार काउंसिल ऑफ दिल्ली से कहा था कि वह मामले को कानून के तहत एग्जामिन करें। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस मामले में लिखे टेलर पर संज्ञान लिया और प्रशातं भूषण को अपना पक्ष रखने के लिए 15 दिन का वक्त दिया है। साथ ही प्रशांत भूषण से कहा गया है कि 23 अक्टूबर को वह बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के दफ्तर में पेश हों। अगर वह चाहते हैं कि वह वर्चुअल तरीके से पेश हों तो वह तीन दिन पहले बार काउंसिल को इस बारे में इत्तला करें और वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये भी पेश हो सकते हैं। प्रशांत भूषण से बार काउंसिल ऑफ दिल्ली ने कहा है कि वह या तो खुद पेश हों या फिर वकील के माध्यम से पेश हो सकते हैं।

ईईएसएल ने रजत सूद को कंपनी का नया प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली, 23 सितंबर (वेबवार्ता)। बिजली मंत्रालय के अधीन आने वाली एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लि. (ईईएसएल) ने बुधवार को रजत सूद को कंपनी का प्रबंध निदेशक नियुक्त किये जाने की घोषणा की। ईईएसएल की विज्ञप्ति के अनुसार सूद अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे निदेशक (वाणिज्यिक) एस गोपाल की जगह लेंगे। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से अमल में आ गयी है। सूद के ऊर्जा क्षेत्र में काम करने का 29 साल का अनुभव है। उनके कार्यों की सूची में ऊर्जा क्षेत्र में पुनर्गठन, व्यापार रणनीति और अधिग्रहण शामिल हैं। ईईएसएल से जुड़ने से पहले, सूद स्टरलाइट पावर ट्रांसमिशन लि. में कार्यकारी उपाध्यक्ष थे। वह सीमेंस आईटी सोल्यूशंस (एसआईएसएल) और पीडब्ल्यूसी में भी शीर्ष पदों पर काम कर चुके हैं। अपनी नियुक्ति के बारे में उन्होंने कहा, ''ईईएसएल एक नया और गतिशील संगठन है और मैं देश में ऊर्जा दक्षता में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का प्रशंसक रहा हूं। ईईएसएल ने इमारतों, परिवहन, लाइटिंग और ऊर्जा उत्पादन में दक्षता को लेकर जो प्रभावी कदम उठाये हैं, वे मील के पत्थर हैं।'' सूद ने कहा, ''मैं इस महत्वपूर्ण कंपनी की अगुवाई कर खुश और स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहा हूं और नवीन ऊर्जा दक्षता कार्यक्रमों के माध्यम से एक ऊर्जा सुरक्षित और मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लक्ष्य की दिशा में काम करूंगा।'' ईईएसएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष (ईवीसी) सौरभ कुमार ने कहा, ''रजत सूद के पास ऊर्जा क्षेत्र में काम करने का अच्छा खासा अनुभव है।

गुरुग्रंथ साहिब के गायब स्वरूपों के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन

सिख युवाओं ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में जताया विरोध

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 23 सितंबर । पंजाब के अमृसर स्थित एक गुरुद्वारे से गायब हुए श्री गुरुग्रंथ साहिब के स्वरूपों का मामला अब दिल्ली तक पहुंच चुका है। बुधवार को सिख युवाओं ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब स्थित दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी कार्यालय के बाहर शांति पूर्व रोष प्रदर्शन किया। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए और हाथों में तख्तियां पकड़े सिख नौवजान सतनाम वाहे गुरू का जाप कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने हाथ में तख्तियां पकड़ रखी थी, जिसमें लिखा था 328 गायब स्वरूपों के बारे में कौन बताएगा, दोषियों को सजा कौन देगा एंव शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं एवं दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी का

प्रबंध मसंदों के हाथ में है। प्रदर्शनकारी सिख युवक किसी भी पार्टी एवं संगठन से जुड़े नहीं थे। इसमें कुछ पंजाब से जुड़े थे और कुछ दिल्ली से। बता दें कि इसी मामले को लेकर पिछले दिनों जागो पार्टी ने दिल्ली स्थित शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के घर का घेराव किया था। पिछले चार पांच दिनों से अमृतसर में दो स्थानों पर स्वरूपों के गायब करने के दोषियों को सजा देने की मांग को लेकर धरने चल रहे हैं। उसी कड़ी में आज दिल्ली में लगाया गया धरना माना जा रहा है। दिल्ली कमेटी के चुनाव में भी यह मामला चुनावी मुद्दा बन सकता है इसका इशारा जागो पार्टी के अध्यक्ष मंजीत सिंह जीके ने किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कमेटी के अध्यक्ष मनड्क्षजदर ड्क्षसह सिरसा एवं हरमीत सिंह कालका यह मानकर बैठे थे कि हम इस मामले में नहीं बोलेंगे तो मुद्दा अपने आप में खत्म हो जाएगा। लेकिन, जागो पार्टी के साथ आज नौजवानों ने भी इस मामले में कमेटी मुख्यायल पर प्रदर्शन करके यह साबित कर दिया है कि चुनाव के दौरान बादल दल के नेता संगत से वोट मांगने जाएंगे ।

कैट ने भेजा पीएम मोदी को ज्ञापन, रिटेल व्यापार से जुड़े व्यापारियों को मिले सुविधाएं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 सितंबर । राजधानी दिल्ली के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने बुधवार के दिन देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र के माध्यम से ज्ञापन भेजकर आग्रह किया है कि तेजी से परिवर्तित हो रहे व्यापार के तरीकों को देखते हुए समय आ गया है कि अब देश में रिटेल व्यापार में भी अनेक प्रकार के सुधार किया जाए।

जिससे की रिटेल व्यापारियों को आर्थिक मंदी के दौर से उबरने में सहायता मिले.पत्र के माध्यम से कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया है कि पूरे देश भर में इस तरह के सिस्टम का निर्माण किया जाए जिससे कि व्यापारियों को सभी प्रकार की सुविधाएं मिले. साथ ही करदाताओं का दायरा भी बड़े. जिससे कि केंद्र सरकार के राजस्व में वृद्धि हो और देश इस आर्थिक मंदी के दौर से निकल पाए. कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने अपने सुझाव देते हुए प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि कोविड19 से देशभर के व्यापारी वित्तीय संकट में है.जिस से उबारने के लिए सरकार को व्यापारियों को एक विशेष आर्थिक पैकेज देने की आवश्यकता है. यदि सरकार आर्थिक पैकेज देती है तो देश में लगभग 1.75 करोड़ छोटी बड़ी दुकानें जो बंद होने के कगार पर है, उन्हें बचाया जा सकता है. प्रधानमंत्री को भेजे गए ज्ञापन में कैट के द्वारा स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि देश में लगभग 7 करोड़ व्यापारी रिटेल व्यापार से जुड़े हुए हैं। जो 40 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं ।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी—155370
सीआईएसएफ—22185555
दिल्ली पुलिस—1091
दिल्ली सरकार—181
कहीं भी—कभी भी—1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता ®
पल-पल की खबर हर पल
JAS-ANZ
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

टिकटॉक ने हटाए भारत के प्रतिबंधित सामग्री वाले 3.7 करोड़ वीडियो

नई दिल्ली। चीनी शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक ने सामुदायिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाले 10.4 करोड़ से ज्यादा वीडियो को इस साल की पहली छमाही में अपने प्लेटफॉर्म से हटाया है। इसमें 3.7 करोड़ वीडियो भारत के थे। भारत के बाद दूसरे स्थान पर अमेरिका है, जहां के 98 लाख वीडियो हटाए गए। अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध लग गया है और ओरेकल वॉलमार्ट द्वारा इसे खरीदने की उम्मीद है। हालांकि हटाए गए इन वीडियो की संख्या इस ऐप पर अपलोड किए गए सभी वीडियो की कुल संख्या से 1 प्रतिशत से भी कम है। भारत में इस ऐप पर प्रतिबंध लगने के पहले टिकटॉक के देश में करीब 20 करोड़ उपयोगकर्ता थे, जो कि इसके अमेरिकी बाजार से लगभग दोगुना था। भारत और अमेरिका के अलावा, पाकिस्तान, ब्राजील और ब्रिटेन से भी क्रमशः 64 लाख, 55 लाख और 29 लाख वीडियो हटाए गए हैं। जेडडीनेट की रिपोर्ट के अनुसार, उपयोगकर्ताओं द्वारा रिपोर्ट किए जाने से पहले ही 96.3 प्रतिशत वीडियो की पहचान कर उन्हें हटा दिया गया था, जबकि 90.3 प्रतिशत को बाद में हटाया गया। सबसे ज्यादा 30.9 फीसदी वीडियो को न्यूडिटी और यौन गतिविधियों के कारण जबकि 22.3 फीसदी को मामूली सुरक्षा का उल्लंघन करने के लिए और 19.6 फीसदी को गैरकानूनी गतिविधियों के कारण हटाया गया था।

कोरोनाः सऊदी अरब ने भारत आने जाने वाली उड़ानों पर रोक लगाई

नई दिल्ली। सऊदी अरब ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने के मद्देनजर भारत से आने और जाने वाली उड़ानों पर मंगलवार को रोक लगा दी है। एक आधिकारिक दस्तावेज में यह जानकारी दी गई है। मंगलवार को जारी एक आदेश में सऊदी अरब के नागरिक विमानन महाप्राधिकरण (जीएसीए) ने कहा कि वह ''निम्नलिखित देशों (भारत, ब्राजील और अर्जेंटीना) से आने और जाने वाली यात्रा को निलंबित कर रहा है इसमें ऐसे व्यक्ति भी शामिल हैं जो सऊदी अरब आने से 14 दिन पहले उपरोक्त किसी भी देश में गए हैं।'' आदेश में ऐसे यात्रियों को छूट दी गई है ''जिनके पास आधिकारिक सरकारी न्योता है।'' सऊदी अरब और यूएई में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय रहते हैं। पांच दिन पहले एअर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा था कि दुबई नागरिक विमानन प्राधिकरण ने 28 अगस्त और चार सितंबर को दो ऐसे यात्रियों को लाने के कारण उनकी उड़ान पर 24 घंटे की रोक लगाई है जिनमें पास कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि करने वाले प्रमाणपत्र थे। एक दिन की रोक के बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार से दुबई के लिए उड़ाने शुरू कीं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार के नियमों के अनुसार भारत से यात्रा करने वाले प्रत्येक यात्री को यात्रा से 96 घंटे पहले आरटीपीसीआर परीक्षण कराना होगा और उनके पास परीक्षण में संक्रमण की पुष्टि नहीं होने वाला प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है।

कोरोना के 3816 नए मामले, कंटेनमेंट जोन की संख्या हुई 1937

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले अभी कम होते नहीं दिख रहे हैं। मंगलवार को एक बार फिर 3816 नए मामले आए। इसका कारण यह है कि कि 24 घंटे में 59,013 सैंपल की जांच की गई। वहीं 3097 मरीज ठीक हुए। लेकिन चिंताजनक यह है कि 37 मरीजों की मौत हो गई। हालांकि दिल्ली में कोरोना से मृत्यु दर घटकर दो फीसद पर आ गई है। जून में एक समय मृत्यु दर करीब चार फीसद पहुंच गई थी। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में अब तक कोरोना के कुल दो लाख 53 हजार 75 मामले आए हैं। जिसमें से दो लाख 16 हजार 401 मरीज ठीक हो चुके हैं। इसलिए दिल्ली में मरीजों के ठीक होने की दर अभी 85.50 फीसद है।वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर 5051 पहुंच गई है। मौजूदा समय में 31,623 सक्रिय मरीज हैं। जिसमें से 7051 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। वहीं कोविड केयर सेंटर में 1906

व कोविड हेल्थ सेंटर में 386 मरीज भर्ती हैं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले कोरोना के 2548 मामले आए थे। तब 33,733 सैंपल की जांच हुई। जांच बढ़ने पर नए मामले फिर ज्यादा आ गए। संक्रमण दर 6.47 फीसद दिल्ली में अब तक कुल 26 लाख 37 हजार 753 सैंपल की जांच हो चुकी है। जिसमें से पिछले 24 घंटे में 9459 सैंपल की आरटीपीसीआर व 49,554 सैंपल की एंटीजन जांच की गई है। जिसमें से 6.47 सैंपल पॉजिटिव पाए गए। एक दिन पहले संक्रमण दर 7.55 फीसद थी। इस तरह संक्रमण दर में करीब एक फीसद की गिरावट हुई है। कोरोना के मामले बढ़ने के कारण कंटेनमेंट जोन की संख्या भी बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में दिल्ली में 48 नए कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं।

अस्पतालों में है 6-7 दिन का ऑक्सीजन स्टॉक सप्लाई में आ रही दिक्कत- सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली। कोरोना के मद्देनजर अस्पतालों में ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता जरूरी है, लेकिन इसी बीच कुछ राज्यों से ऑक्सीजन की कमी की खबरें सामने आने लगीं हैं. कोरोना की गम्भीरता को लेकर जिस दिल्ली पर देशभर की नजरें टिकी हैं, वहां ऑक्सीजन की उपलब्धता की क्या स्थिति है, इसे लेकर हमने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री से सवाल किया. दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि ऑक्सीजन सप्लाई में कुछ समस्या है, लेकिन उसे बातचीत करके सुलझाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि दिल्ली में ऑक्सीजन की सप्लाई मुख्यतः उत्तर प्रदेश और राजस्थान से होती है, क्योंकि ऑक्सीजन के प्लांट्स बड़े एरिया में लगते हैं. लेकिन राजस्थान के कुछ सप्लायर्स को कहा गया है कि वे पहले राजस्थान में सप्लाई करें. आपको बता दें कि राजस्थान के कुछ इलाकों से बीते दिनों ऑक्सीजन की कमी की खबरें सामने आई थीं और शायद इसीलिए सप्लाई में राजस्थान को प्राथमिकता दी जा रही है. इन सबके बीच मौजूदा समय में दिल्ली में ऑक्सीजन का कितना स्टॉक है, इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 'अभी दिल्ली में ऑक्सीजन की दिक्कत नहीं है, अभी 67 दिन का ऑक्सीजन स्टॉक है. आपको बता दें कि दिल्ली में कम से कम 7 दिन का ऑक्सीजन स्टॉक रखा जाता है. सत्येंद्र जैन ने इसे लेकर कहा भी कि हमारा मानना है कि कम से कम 67 दिन का स्टॉक होना चाहिए।

महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद से नदारद होता है विपक्षः जावडेकर

नई दिल्ली, 23 सितंबर (वेबवार्ता)। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने विपक्ष पर जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद से नदारद रहने का आरोप लगाते हुए राज्यसभा में बुधवार को कहा कि भारतीय श्रम क्षेत्र के इतिहास में आज ऐतिहासिक दिन है और आजादी के 74 सालों के बाद श्रमिकों को न्याय दिया जा रहा है। जावडेकर ने राज्यसभा में सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 और उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता, विधेयक 2020 की चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि ये ऐतिहासिक विधेयक हैं जिनसे देश के 50 करोड़ मजदूरों को सामाजिक , स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध होगी। विपक्षी दलों की गैर मौजूदगी में राज्यसभा ने श्रमिकों के कल्याण और उनके अधिकारों को मजबूत करने वाले तीनों विधेयकों को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ इन तीन

विधेयकों पर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इन्हें पहले ही पारित कर चुकी है। जावडेकर ने कहा, ' विपक्ष एक बार फिर नदारद है। ये जनता से कट गये हैं।' उन्होंने कहा कि इन विधेयकों के जरिए बागान मजदूरों के लिए न्यूनतम मजदूरी सुनिश्चित की गयी है।

संसद ने जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक को मंजूरी दी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 सितंबर । संसद ने बुधवार को जम्मूकश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक2020 को मंजूरी प्रदान कर दी जिसमें पांच भाषाओं हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, कश्मीरी और डोगरी को केंद्र शासित प्रदेश की आधिकारिक भाषा का दर्जा देने का प्रावधान है।

विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि जम्मू कश्मीर के 74 प्रतिशत लोगों की भाषा कश्मीरी और डोगरी है किंतु इन भाषाओं को 70 साल तक राज्य की आधिकारिक भाषा नहीं बनाकर लोगों को उनकी आकांक्षाओं से वंचित रखा गया। बहरहाल, गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से कश्मीरी, डोगरी, उर्दू, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं को जम्मूकश्मीर की आधिकारिक भाषा घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मूकश्मीर में बड़ी संख्या में लोग कश्मीरी, डोगरी और हिंदी बोलते हैं और समझते हैं। रेड्डी ने कहा '' 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में जितने लोग कश्मीरी बोलने वाले हैं, उनमें से 53.26 प्रतिशत जम्मू कश्मीर में हैं। लेकिन 70 साल तक कश्मीरी आधिकारिक भाषा नहीं थी। यह ऐतिहासिक भूल थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक गलतियों को सुधारा जा रहा है और हम यह भी करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में 2.3 प्रतिशत लोगों की भाषा हिंदी है।'' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भाषा, धर्म, जाति के आधार पर भेदभाव में विश्वास नहीं रखती। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से जम्मूकश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक2020 को मंजूरी प्रदान कर दी ।

लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। इससे पहले रेड्डी ने कहा कि 70 साल से उर्दू जम्मू कश्मीर की आधिकारिक भाषा है लेकिन जम्मूकश्मीर में उर्दू भाषा बोलने वाले लोग 0.16 प्रतिशत ही हैं। उन्होंने कहा कि उर्दू और अंग्रेजी दोनों को आधिकारिक भाषा के तौर पर जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि डोगरी वहां दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। मंत्री ने कहा कि जम्मूकश्मीर में पंजाबी भाषा बोलने वाले लोगों की संख्या 1.78 प्रतिशत है। इसलिए इस भाषा को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार किसी भी क्षेत्रीय भाषा के खिलाफ नहीं है।

लापता हुई दो लड़कियों को पुलिस ने जैसलमेर से खोज निकाला

नई दिल्ली। संगम विहार इलाके से लापता हुई दो लड़कियों को पुलिस ने जैसलमेर राजस्थान में ढूंढ निकाला। पुलिस ने इस केस में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए सोशल मीडिया पर उन्हीं में से एक के दोस्त की मदद ली थी। आरोपियों की पहचान अनिल और तेजाराम के तौर पर हुई। डीसीपी अतुल कुमार ठाकुर ने बताया पंद्रह सितंबर को संगम विहार निवासी एक महिला ने पुलिस में शिकायत दी। बताया उनकी 16 और 17 साल की दो लड़कियां घर से गायब हैं। उन्हीं के पड़ोस में रहने वाला अनिल नाम का युवक भी गायब है। इस वजह से बेटियों के गायब होने के पीछे अनिल पर शक जताया गया। मामले में नेबसराय थाना पुलिस ने किडनेपिंग का केस दर्ज कर लिया। जांच के दौरान ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चैक की। पता चला दोनों लड़कियां तड़के साढ़े तीन बजे जाते हुए दिखायी दी। उन्होंने बांध रोड संगम विहार से कहीं जाने के लिए ऑटो लिया था। यह भी पता चला एक लड़की एक मोबाइल नंबर पर लगातार बात करती थी।

अर्हित वित्तीय संविदा द्विपक्षीय नेटिंग विधेयक को संसद की मंजूरी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 सितंबर। संसद ने बुधवार को योग्य वित्तीय अनुबंधों के द्विपक्षीय शुद्धिकरण के लिए कानूनी ढांचा मुहैया कराने वाले एक विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी।

अर्हित वित्तीय संविदा द्विपक्षीय नेटिंग विधेयक2020 को बुधवार को राज्यसभा की मंजूरी मिल गई। लोकसभा ने इस विधेयक को रविवार को पारित किया था। इस कानून के तहत योग्य वित्तीय अनुबंधों के शुद्धिकरण की अनुमति दी गई है। यहां शुद्धिकरण का आशय वित्तीय अनुबंधों के ऋष्टा, निपटान और अन्य जोखिमों को कम करने से है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस विधेयक को देश में वित्तीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह दो पक्षों के द्विपक्षीय शुद्धिकरण के लिए कानूनी आधार मुहैया करता है। उन्होंने कहा कि कुल वित्तीय अनुबंधों में द्विपक्षीय अनुबंध की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है, जबकि बहुपक्षीय अनुबंध की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत हैं। इस विधेयक के माध्यम से भारतीय वित्तीय बाजार में अर्हित वित्तीय संविदाओं की द्विपक्षीय नेटिंग की प्रवर्तनीयता का उपबंध करके वित्तीय स्थायित्व सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि जब दो पक्ष एक दूसरे की देनदारियों का निपटान इस प्रकार करते हैं जिसके उपर ज्यादा देनदारी हो, वह एक तय राशि का भुगतान दूसरे के पक्ष में करे, तो उसे नेटिंग कहते हैं । विधेयक पर हुयी संक्षिप्त चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के सुरेश प्रभु ने कहा कि वित्तीय बाजार वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं क्योंकि वे बाजार के लिए तरलता उपलब्ध कराते हैं। इस लिए इन बाजारों का नियमन करना चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने सरकार के विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि इसमें नियमन के लिए जो कदम उठाये हैं, उससे बाजार के प्रोत्साहन मिलेगा। अन्नाद्रमुक के ए विजय कुमार ने जहां इस विधेयक का समर्थन करते हुए इस संबंध में कई सुझाव दिये, वहीं बीजू जनता दल के सुजीत कुमार ने यह विधेयक लाने के लिए सरकार को बधाई देते हुए इसे देश की अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए मील का पत्थर करार दिया। तेलुगु देशम पार्टी के के रवीन्द्र कुमार और भाजपा के महेश पोद्दार ने भी इस विधेयक का समर्थन किया। पोद्दार ने कहा कि यह भविष्योन्मुखी कदम साबित होगा।

ताजा फल, सब्जियों के दाम में नरमी लेकिन प्याज निकाल रहा आंसू

नई दिल्ली, 23 सितंबर । ताजा फल और सब्जियों की आवक में सुधार से कीमतों में नरमी आई है, लेकिन प्याज की महंगाई से उपभोक्ताओं के आंसू निकल रहे हैं। प्याज की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने इसके निर्यात पर रोक लगा दी है, फिर भी मंडियों में आवक में सुधार नहीं आया है। दिल्लीएनसीआर में प्याज का खुदरा भाव 50 से 60 रुपये प्रति किलो चल रहा है। बीते तीन महीने में प्याज का दाम तकरीबन दो से तीन गुना बढ़ गया है। मंडियों में प्याज का थोक भाव 12.50 रुपये से 35 रुपये प्रति किलो चल रहा है। सीजनल फलों, खासतौर से सेब की आवक बढ़ने से कीमतों में भारी गिरावट आई है। एशिया में फलों और सब्जियों की सबसे बड़ी मंडी आजादपुर में सेब का थोक 30 रुपये से लेकर 80 रुपये प्रति किलो तक चल रहा है। सब्जियों के दाम मे बीते सप्ताह के मुकाबले थोड़ी नरमी आई है, हालांकि कारोबारी कहते हैं कि आवक में थोड़ा सुधार होने से सब्जियों के दाम में नरमी है, लेकिन आलू और प्याज के दाम में फिलहाल नरमी नहीं आई है। घिया, करेला, खीरा, पालक, परवल समेत कई हरी शाकसब्जियों के खुदरा दाम में पिछले सप्ताह के मुकाबले 1020 रुपये प्रति किलो की नरमी आई है। चैंबर्स ऑफ आजादपुर फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स एसोसिएशन के प्रेसीडेंट एम.आर. कृपलानी ने बताया कि शिमला से आने वाला सेब का थोक भाव 40 रुपये से 80 रुपये है जबकि कश्मीरी सेब का भाव 30 से 65 रुपये प्रति किलो है। आजादपुर मंडी पोटैटो ऑनियन मर्चेंट एसोसिएशन यानी पोमा के जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र शर्मा ने बताया कि इस समय दिल्ली में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान से प्याज आ रहा है, जिसमें सबसे उंचे भाव 34 से 35 रुपये प्रति किलो नासिक का प्याज बिक रहा है।

दिल्ली में रामगढिया भवन बनाने की घोषणा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। आल इंडिया रामगढिय़ा बोर्ड रजिस्टर्ड दिल्ली स्टेट की पहली बैठक दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष रविन्द्र सिंह सोनू की अध्यक्षता में स्टेंडर्ड बर्फी रेस्टोरेंट्स जेल रोड़ फतेह नगर में सम्पन्न हुई इस बैठक में कोरोना काल को देखते हुए सोशल डिस्टैंस का विशेष ध्यान रखा गया और रामगढिय़ा बिरादरी के प्रतिष्ठित एवं सम्मानित व्यक्ति शामिल हुए इस बैठक में रामगढिय़ा बिरादरी के हीरे जत्थेदार अवतार सिंह हित,बीबी रंजीत कौर वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, आल इंडिया रामगढिय़ा फैंडरेशन के अध्यक्ष सरदार सुखदेव सिंह रायत जी, जसपाल सिंह, रविन्द्र सिंह, जसविंदर सिंह आदि मौजूद रहे,इस बैठक में सभी ने रविन्द्र सिंह सोनू को दिल्ली प्रदेश का अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और सम्मानित भी किया रविन्द्र सिंह सोनू रामगढिय़ा बिरादरी के लोगो के लिए रामगढिय़ा भवन बनाया जाये जो प्रस्ताव पारित कर इस तरफ क्या

ने कहा की हम सभी रामगढिय़ा बिरादरी के लोगो को साथ लेकर चलेंगे और बिरादरी और समाज भलाई के कार्य करेगे,इस अवसर पर रामगढिय़ा बिरादरी के लोगो की और से एक प्रस्ताव आया की दिल्ली में करने का आश्वासन अध्यक्ष रविन्द्र सिंह सोनू ने दिया इस बैठक में कई वरिष्ठ रामगढिय़ा बिरादरी के पतवंते लोगों ने भाग लिया।आये सभी बिरादरी के लोगो को सम्मानित भी किया गया।

आईटीआर 30 सितम्बर तक फाईल करना है जरूरीः आयकर विभाग

नई दिल्ली, 23 सितंबर (वेबवार्ता)। आयकर विभाग ने कहा कि वित्त वर्ष 201819 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) 30 सितम्बर तक दाखिल करना जरूरी है। आयकर विभाग ने बुधवार को ट्वीट करके कहा कि आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख नजदीक आ रही है।

इसीलिए टैक्सपेयर्स को जल्द से जल्द अपना आयकर रिटर्न फाइल कर देना चाहिए। गौरतलब है कि आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 201819 के लिए आईटीआर फाइलिंग की अंतिम तारीख बढ़ाकर 30 सितम्बर, 2020 कर दिया था। पहले ये डेडलाइन 31 जुलाई, 2020 थी।

वहीं, वित्त वर्ष 201920 के लिए रिटर्न फाइल करने की तारीख बढ़ाकर 30 नवम्बर, 2020 तक किया जा चुका है। आयकर विभाग ने कोविड19 संक्रमण की वजह से ये तिथि बढ़ाई थी, जबकि आमतौर पर इसकी अंतिम तारीख 31 जुलाई होती है।

उल्लेखनीय है कि यदि कोई टैक्सपेयर्स इस डेडलाइन तक रिटर्न फाइल नहीं करता है तो वह रिटर्न फाइल नहीं कर पाएगा। आमतौर पर तय तिथि तक इनकम टैक्स रिटर्न नहीं फाइल करने पर जुर्माना लगाया जाता है।

आयकर विभाग के मुताबिक तय समयसीमा खत्म होने के बाद 31 दिसम्बर तक रिटर्न फाइल करने पर पांच हजार रुपये पेनाल्टी भरनी होगी, जबकि दिसम्बर के बाद रिटर्न फाइल किया तो 10 हजार रुपये जुर्माना देना होगा।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने पिछले महीने आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि तीसरी बार बढ़ाई थी।

सरकार किसानो को पूंजीपतियों का गुलाम बना रही हैः मुदित अग्रवाल

नई दिल्ली, 23 सितंबर (वेबवार्ता)। यदि अन्नदाता ही दुखी रहेगा तो देश कैसे विकास करेगा। किसान विधेयक का बिना बहस के पारित होना लोकतंत्र के लिए काला दिन माना जायेगा। यह कहना है दिल्ली कांग्रेस के सीनियर उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल का। वीर अर्जुन से बात करते हुए मुदित अग्रवाल नें कहा बिना मत विभाजन के विधेयक पारित करना लोकतंत्र का मजाक उडाना है। सत्ता का सरासर दुरूपयोग है। मुदित कहते हैं अन्नदाता करोड़ो लोगो का पेट पालता है जिसमे सत्ता के नशे में चूर लोग भी शामिल हैं। ऐसे में भी सरकार किसानो का निवाला छीन रही है।

उन्होंने इसे काला कानून बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा बिल को सत्ता पक्ष किसान हितैषी बता रहा है जबकि असलियत यह है की यह बिल किसानो का घोर विरोधी है हालत ये हो जायेंगे की किसान अपनी ही जमीन पर बंधुवा मजदूरी करने पर विवश हो जाएगा। वे कहते हैं विपक्ष के बहिष्कार के बावजूद बिल पास हो जाता है और आवश्यक वस्तु संसोधन विधेयक पर संसद की मुहर लग जाती है। और सरकार लोकतंत्र की दुहाई देती है। इससे शर्म की बात हो नहीं सकती। कटाक्ष करते हुए मुदित कहते हैं ये जमीदारी का नया युग शुरू होने जा रहा है जिसमें सत्ता के कुछ मित्र नये भारत के जमीदार होंगे और जमीन के असली मालिक बंधुवा मजदूर। वे कहते हैं मोदी जी नें चुनावो से पहले किसानों की आय दोगुना करने का वायदा किया था लेकिन अब तो वायदा खिलाफी की भी हद हो गई है दोगुने करने की तो बात ही छोड़ो उनके भूखो मरने की नौबत आ जाएगी।मुदित सवाल कहते हैं यदि ये बिल किसानो का हितैषी है तो इसमें समर्थन मूल्य का जिक्र क्यों नही किया गया। सरकार की ओर से इसमें किसान हितो में मंडियों का नेटवर्क बढ़ाने का क्यों नहीं जिक्र किया। मुदित अग्रवाल कहते हैं देश का हर वर्ग मोदी शासन में दुखी हो चुका है। इस सरकार की नीतियां समझ से परें हैं। देश अब बदलाव चाहता है। इस सरकार का अँधा अहंकार मुल्क की बदहाली के लिए जनता को दोषी ठहराता है।लेकिन अपनी नीतियों की ओर उनका ध्यान ही नहीं है। ये समझ से परें है कि इनकी नीतियाँ बनाता कौन है। मुदित कहते हैं छोटे किसान तो तबाह ही हो जाएगें वो बेचारे तो विरोध भी नहीं कर पायेगें।

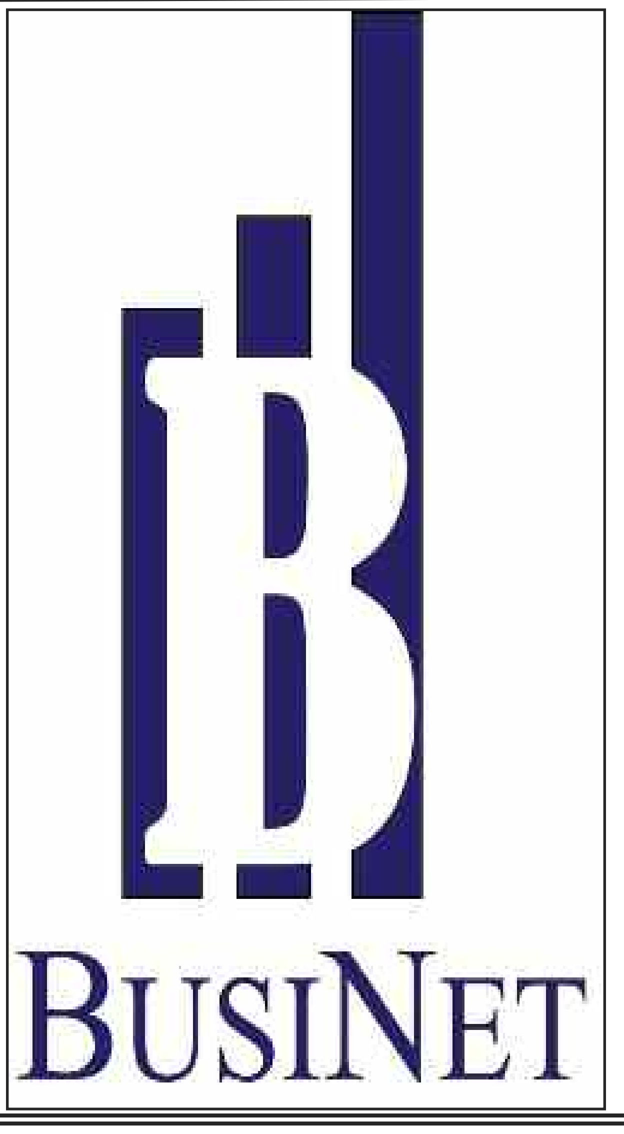

संपादकीय

स्कूली शिक्षा के बदहाली और प्राइवेट स्कूल

भारत में जब भी स्कूली शिक्षा के बदहाली की बात होती है तो इसका सारा ठीकरा सरकारी स्कूलों के मत्थे मढ़ दिया जाता है, इसके बरक्स प्राइवेट स्कूलों को श्रेष्ठ अंतिम विकल्प के तौर पर पेश किया जाता है. भारत में शिक्षा के संकट को सरकारी शिक्षा व्यवस्था के संकट में समेट दिया गया है और बहुत चुतराई से प्राइवेट शिक्षा व्यवस्था को बचा लिया गया है. भारत में सरकारों की मंशा और नीतियां भी ऐसी रही हैं जो सावर्जनिक शिक्षा व्यवस्था को हतोत्साहित करती हैं. लेकिन निजीकरण की लाबी द्वारा जैसा दावा किया जाता है क्या वास्तव में प्राइवेट शिक्षा व्यवस्था उतनी बेहतर और चमकदार है? आम तौर पर हमें सरकारी स्कूलों के बदहाली से सम्बंधित अध्ययन रिपोर्ट और खबरें ही पढ़ने को मिलती है परन्तु इस साल जुलाई में जारी की गयी सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन की रिपोर्ट 'प्राइवेट स्कूल इन इंडिया' में देश में प्राइवेट स्कूलों को लेकर दिलचस्प खुलासे किये गये हैं जिससे प्राइवेट स्कूलों को लेकर कई बनाये गये मिथक टूटते हैं. इस रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान प्राइवेट स्कूलों के दायरे में जबरदस्त उछाल आया है, आज भारत में प्राइवेट स्कूलों की संख्या और पहुंच इतनी है कि यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्कूली सिस्टम बन चूका है, स्कूली शिक्षा के निजीकरण की यह प्रक्रिया उदारीकरण के बाद बहुत तेजी से बढ़ी है. 1993 में करीब 9.2 प्रतिशत बच्चे ही निजी स्कूलों में पढ़ रहे थे जबकि आज देश के तकरीबन 50 प्रतिशत (12 करोड़) बच्चे प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे हैं. जिसके चलते आज भारत में प्राइवेट स्कूलों का करीब 2 लाख करोड़ का बाजार बन चुका है।

गढ़ी गयी छवि के विपरीत प्राइवेट स्कूलों के इस फैलाव की कहानी में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी, मनमानेपन, पारदर्शिता की कमी जैसे दाग भी शामिल हैं. दरअसल भारत में निजी स्कूलों की संख्या तेजी से तो बढ़ी है लेकिन इसमें अधिकतर 'बजट स्कूल' हैं जिनके पास संसाधनों और गुणवत्ता की कमी है, लेकिन इसके बावजूद मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लोग सरकारी स्कूलों के मुकाबले इन्हीं स्कूलों को चुनते हैं. सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है कि करीब 70 प्रतिशत अभिभावक निजी स्कूल को 1, 000 रुपये प्रतिमाह से कम फीस का भुगतान करते हैं, जबकि 45 अभिभावक निजी स्कूलों में फीस के रूप में 500 रुपये महीने से कम भुगतान करते हैं।

सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन की रिपोर्ट इस भ्रम को भी तोड़ती है कि प्राइवेट स्कूल गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा दे रहे हैं, रिपोर्ट के अनुसार भारत के ग्रामीण व छोटे शहरों में चलने वाले 60 प्रतिशत निजी स्कूलों में पांचवीं कक्षा के छात्र सामान्य प्रश्न को हल भी नहीं कर पाते हैं, जबकि कक्षा पांचवीं के 35 फीसदी छात्र दूसरी कक्षा का एक पैराग्राफ भी नहीं पढ़ पाते हैं. यह स्थिति ग्रामीण व छोटे शहरों में चलने वाले प्राइवेट स्कूलों की ही नहीं है, रिपोर्ट के अनुसार निजी स्कूलों में पढ़ने वाले सबसे संपन्न 20 फीसदी परिवारों के 8 से 11 साल के बीच के केवल 56 फीसदी बच्चे ही कक्षा 2 के स्तर का पैरा पढ़ सकते हैं. बड़ी कक्षाओं और बोर्ड परीक्षाओं में भी प्राइवेट स्कूलों की स्थिति खराब है, राष्ट्रीय मूल्यांकन सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि निजी स्कूलों में कक्षा दसवीं के छात्रों का औसत स्कोर पांच में से चार विषयों में 50 प्रतिशत से कम था. कई राज्य और केंद्रीय बोर्ड परिक्षाओं में भी हम देखते है कि सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से बेहतर नतीजे दे रहे हैं. मिसाल के तौर पर मध्यप्रदेश में इस वर्ष के दसवीं परीक्षा के जो नतीजे आये हैं उसमें प्राइवेट स्कूलों की अपेक्षा सरकारी स्कूल के छात्र आगे रहे, जिसके तहत सरकारी स्कूलों के 63.6 प्रतिशत के मुकाबले प्राइवेट स्कूलों के 61.6 प्रतिशत परीक्षार्थी ही पास हुए हैं।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

योगी फिल्म सिटी बनाएं, 'यूपी बनाम महाराष्ट्र' नहीं

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उस 'मुम्बई' को आइना दिखा दिया है जो 'बॉलीबुड' के चलते 'इतराया' करता है। बॉलीबुड की पहचान हिन्दी फिल्मों से जुड़ी है। बॉलीबुड में करीब 80 प्रतिशत कलाकार, लेखक, निर्देशक, गीतकार, संगीतकार, टेक्नीशियन और अन्य स्टाफ उत्तर भारत से आकर अपनी किस्मत अजमाता है। जहां की मात्र भाषा हिन्दी है। अक्सर कहा जाता है कि मुम्बई लोगों की किस्मत 'संवारता' है। देश भर से हर दिन लाखों लोग अपने हसीन सपने पूरे करने मुम्बई आते हैं। बॉलीवुड का नाम अंग्रेजी सिनेमा उद्योग हॉलिवुड के तर्ज पर रखा गया है। हिन्दी फिल्म उद्योग बॉलीबुड में बनी हिन्दी फिल्में हिन्दुस्तान, पाकिस्तान और दुनिया के कई देशों के लोगों के दिलों की धड़कन हैं।

बॉलीबुड में करीब 20 भाषाओं में फिल्में बनती हैं, लेकिन इसमें 80 फीसदी हिस्सा हिन्दी फिल्मों का है। हिन्दी फिल्मों में उर्दू, अवधी, बम्बइया हिन्दी, भोजपुरी, राजस्थानी जैसी बोलियाँ भी संवाद और गानों में देखने को मिल जाती हैं। बॉलीबुड की फिल्मों में प्यार, देशभक्ति, परिवार, अपराध, भय, इत्यादि मुख्य विषय होते हैं। बॉलीबुड भारत में सबसे बड़ी फिल्मी नगरी है। यहां का देश के शुद्ध बॉक्स ऑफिस राजस्व में से 43 प्रतिशत का योगदान रहता है, जबकि तमिल और तेलुगू सिनेमा 36 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। बाकी के क्षेत्रीय सिनेमा का योगदान मात्रं 21 प्रतिशत है। बॉलीवुड दुनिया में फिल्म निर्माण के सबसे बड़े केंद्रों में से एक है। बॉलीवुड कार्यरत लोगों और निर्मित फिल्मों की संख्या के मामले में दुनिया में सबसे बड़ी फिल्म उद्योगों में से एक है।

बॉलीबुड की फिल्मों की आत्मा हिन्दी है तो इस फिल्म इंडस्ट्री को दुनिया की नंबर दो हैसियत दिलाने में हिन्दी भाषी लोगों का विशेष योगदान है,लेकिन दुर्भाग्य यह है कि बॉलीबुड भले हिन्दी भाषियों के कंधे पर खड़ी हो,परंतु उत्तर भारत से आने वाले कलाकारों को मुम्बई कभी वह सम्मान देने को तैयार नहीं हुआ जिसके वह हकदार हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह शिवसेना जैसे राजनैतिक दल हैं,जो मुम्बई को मराठी भाषियों की 'बपौती' मानती है। मुम्बई में उत्तर भारतीय के साथ अक्सर बदसलूकी की जाती है। उन्हें भइया कहकर अपमानित किया जाता है। इनके रिक्शे और ठेले तोड़ दिए जाते हैं। आम उत्तर भारतीय तो दूर उत्तर भारत से आए बड़ेबड़े कलाकार तक मुंह नहीं खोल सकते हैं,जो खोलता है उसका हश्र फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत जैसा होता है। उत्तर भारत से आए फिल्मी कलाकारों के साथ हमेशा से दोयम दर्जे का सलूक किया जाता है। इसी लिए जब योगी जी ने यूपी में नई फिल्म निर्माण सिटी बनाने की घोषणा की तो बॉलीबुड में काम कर रहे उत्तर भारतीय कलाकारों ने उन्हें हाथों हाथ लेने में देरी नहीं की। यूपी में नया 'बॉलीबुड' बसाने के सपने साकार करने में सिने जगत के दिग्गज हमकदम हो लिए है। उन्होंने रियाती दर पर जमीन की मांग से इसकी शुरूआत कर दी है तो सरकार ने भी रजामंदी

का संकेत दिया है। फिल्मी दिग्गजों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि यूपी में संपूर्ण फिल्म सिटी बनेगी। सबसे बड़ी नई फिल्म सिटी युमना एक्सप्रेसवे के किनारे ग्रेटर नोएडा में बनेगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री बॉलीवुड के दिग्गजों अनपुम खेर, परेश रावल, सतीश कौशिक, सौंदर्या रजनीकांत, गीतकार मनोज मुंतजिर आदि से वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए मिल चुके हैं। योगी ने फिल्मी दिग्गजों को विश्वास दिलाया है कि उनकी सरकार उत्तर प्रदेश में एक भव्य, आपकी जरूरतों को पूरा करने पाली सर्वसुविधायुक्त 'पूर्ण फिल्म सिटी' का विकास कर दुनिया को एक उपहार देगा। बॉलीवुड दिग्गजों ने भी माना कि मुंबई में सिर्फ शूटिंग की जगह है। यूपी में फिल्म सिटी का जो खाका बनाया गया है उसे तैयार करने में पटकथा लेखक विजयेंद्र प्रसाद, कला निर्देशक नितिन देसाई, फिल्म निर्देशक संघ के अध्यक्ष अशोक पंडित, गायक उदित नारायण, कैलाश खैर, निर्मातानिर्देशक शैलेष सिंह, भजन सम्राट अनूप जलोटा, मनोज जोशी, उप्र फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष राजू श्रीवस्तव की भी अहम भूमिका रही है। बहरहाल, एक तरफ उत्तर प्रदेश में नई फिल्म सिटी बनने से लोग खुश हैं तो दूसरी तरफ इसको लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने, योगी सरकार पर उनकी सरकार के समय के एक और प्रोजेक्ट का फीता काटने का आरोप लगाया है। अखिलेश को इस बात का बेहद मलाल है कि आइडिया उनका था, फिल्म सिटी की घोषणा उन्होंने की और उस पर श्रेय योगी सरकार लेना चाहती है। अखिलेश ने ट्विट कर फिल्म सिटी के उद्घाटन को पुरानी फिल्म की 'रीलांचिंग' करार दिया है।

अखिलेश के रीलांचिंग वाले ट्विट का जबाव मशहूर भजन गायक अनूप जलोटा ने अपने स्टाइल में दिया। जलोटा ने अखिलेश को आइना दिखाते हुए याद दिलाया कि जब वह कानपुर में पढ़ाई करते थे, तब करीब पचास वर्ष पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्ता ने यूपी में फिल्म सिटी की घोषणा की थी। ऐसे ही अखिलेश यादव ने भी की, लेकिन वह सपना योगी राज में साकार होते दिख रहा है। अनूप जलोटा तो बॉलीबुड को अधूरी फिल्म सिटी बताने से भी नही चूकते है। वह कहते हैं वहां तमाम काम बाहर करने पड़ते हैं। अब सीएम योगी ने पूरी योजना दिखाई है। रूपरेखा तैयार है। यहां जो फिल्म सिटी प्रस्तावित है, उसमें स्क्रिप्ट लेकर आइए, महीनों तक रुककर फिल्म पूरी कीजिए और जाकर रिलीज कर दीजिए। इसी तरह से उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद के अध्यक्ष और मशहूर हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव भी पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश के ट्विट पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए कहते हैं मुख्यमंत्री अखिलेश फिल्म सिटी के लिए तैयार भी थे ? तब क्यों नहीं बन सकी? रही बात पुरानी घोषणा की तो पहले कोई रूपरेखा तैयार नहीं हुई थी। पत्थर लगे और प्रचार हुआ। पूर्व मुख्यमंत्रियों की तुलना योगी जी से नहीं की जा सकती।

खैर,अच्छी बात यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प के साथ सिर्फ यूपी के कलाकार ही नहीं, सिने जगत के दिग्गज भी जुड़े हैं। बाहुबली फिल्म के लेखक विजयेंद्र प्रसाद ने हर संभव सहयोग के मदद की बात कही है। कहा है कि वह प्रस्ताव भी भेजेंगे। कला निर्देशक नितिन देसाई ने फिल्म इंस्टीट्यूट का सुझाव दिया। साथ ही सभी ने अपनेअपने सुझाव देने की बात कही है। फिल्म निर्देशक संघ के अध्यक्ष अशोक पंडित का कहना है कि मुंबई के बाद यूपी सरकार इकलौती है, जो इस दिशा में आगे आई है।

उन्होंने भरोसा जताया है कि 2023 तक यूपी की फिल्म इंडस्ट्री बनकर तैयार हो जाएगी। मशहूर गायक उदित नारायण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ में गाना गुनगुना रहे हैं,'यूपी को जैसा सीएम चाहिए था, मिल गया।' वहीं, बॉलीवुड के ड्रग मामले पर बोले कि यूपी में ऐसा नहीं होगा, क्योंकि यह संस्कारों की धरती है। फिल्म अभिनेता अनुपम खेर को यूपी में फिल्म सिटी का निर्माण उत्सव जैसा लगता है। अनुपम कहते हैं,'योगी जी की क्षमता पर सभी को भरोसा है। यूपी की फिल्म सिटी यूपी में तो होगी, लेकिन पूरी दुनिया इसे अपना मानेगी। यह ताजमहल की तरह ही दुनिया भर को आकर्षित करने वाली होगी।' अभिनेता व चेयरमैन नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा परेश रावल ने कहा कि योगी जी यह स्वप्न पूरा करेंगे, मुझे विश्वास है। फिल्म पटकथा लेखन को लेकर कोई प्रयास करें तो बहुत सहायता मिलेगी।

अजय कुमार
लखनऊ ।

www.womenexpress.in

प्राचीन धरोहर पर आधारित फिल्म सिटी

फ़िल्म जगत के लोगों के लिए योगी आदित्यनाथ से संवाद नया अनुभव था। अनेक हस्तियां प्रत्यक्ष व ऑनलाइन संवाद में सहभागी थी। इससे कहीं अधिक संख्या में कलाकार अप्रत्यक्ष रूप में इसे देख सुन रहे थे। इन्होंने पहली बार किसी मुख्यमंत्री की फ़िल्म सिटी निर्माण पर ऐसी कटिबद्धता देखी,पहली बार किसी मुख्यमंत्री को कला जगत से प्राचीन भारतीय धरोहर से जोड़ते देखा,पहली बार किसी मुख्यमंत्री को प्रस्तावित क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास का ऐसा उल्लेख करते देखा। दुनिया में जब मानव सभ्यता का उचित विकास नहीं हुआ था,तब भारत में नाट्यशास्त्र से संबंधित ग्रन्थों की रचना हो चुकी थी। इसमें कलाजगत की सभी बारीकियों का उल्लेख था। योगी आदित्यनाथ ने फ़िल्म जगत के अनेक लोगों से संवाद किया। इस संवाद में अनेक उल्लेखनीय तथ्य थे। फ़िल्म जगत के लोग योगी की कटिबद्धता देखकर उत्साहित थे। उदित नारायण ने तो गायन के माध्यम से इसे प्रकट भी किया। योगी ने वैदिक काल से लेकर भारतीय गौरव गाथा का उल्लेख

किया,मन्त्र का उच्चारण किया। जिसमें पूर्णता का संकल्प था। कहा कि अधूरा हम लोगों में कुछ नहीं होता। हम आधे में नहीं,पूर्ण में विश्वास करते हैं। हमारी संस्कृति में पूर्णता से प्रारम्भ और पूर्णता से ही समापन होता है। पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते। पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।।

यह भारत की वास्तविक परम्परा है। इसलिए कुम्भ नामकरण किया गया। योगी बताना चाहते थे कि वह कोई कार्य अधूरा नहीं छोड़ते। फ़िल्म सिटी निर्माण का वादा किया है,तो उसे अंजाम तक पहुंचाया जाएगा। यह कार्य भी सामान्य नहीं होगा। यह विश्व स्तरीय होगा। इसके पहले योगी प्रयागराज कुम्भ का विश्वस्तरीय आयोजन करके दिखा चुके है। इसमें अनेक विश्वस्तरीय कीर्तिमान स्थापित हुए थे। कुम्भ के आयोजन को यूनेस्को ने मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी है। योगी ने कलाकारों को भारतीय विरासत से प्रेरित करने का प्रयास किया। कहा कि दुनिया की सबसे प्राचीन नगरी काशी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि,भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि, गंगा यमुना के संगम की स्थली उत्तर प्रदेश में है। यहां के नैमिष तीर्थ में श्रीमद्भागवत पुराण का सर्वप्रथम वाचन हुआ था। शुक्र तीर्थ,चित्रकूट तथा श्रृंगवेरपुर आदि भी इसी राज्य में हैं। यह वैदिक काल से लेकर वर्तमान काल खण्ड तक भारतीय परम्परा, संस्कृति और सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण धरती उत्तर प्रदेश रही है। बुद्ध, महावीर और कबीर विश्व को उत्तर प्रदेश की देन हैं। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां है।फिल्म सिटी का प्रस्तावित स्थल भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा के नजदीक है। यह सम्पूर्ण क्षेत्र भारत की वैदिक,पौराणिक एवं आध्यात्मिक परम्पराओं को जोड़ता है। फिल्म सिटी को डेडिकेटेड इन्फोटेनमेण्ट जोन के रूप में विकसित किया जाएगा। जहां विश्व स्तरीय डेटा सेण्टर भी बनाए जाएंगे। इससे आने वाले समय में इण्टरनेट इनेबल्ड कण्टेण्ट डिस्ट्रीब्यूशन तथा वर्चुअल रियलिटी आदि उपलब्ध होंगे।

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

www.womenexpress.in

गुरूजी मैं घर नही जाऊंगा

गुरूजी मै घर नही जाऊंगा
अकेले में, मै फिर भटक जाऊंगा
जिस चाह से आया हु मै,
मिली मुझे
पर फिर उस भीड़ में खो
जाऊंगा मै,
जब कोई रास्ता न मिला तब आया हु
छोटी सी किरण दिख रही
आपके द्वार
उजाला दिख रहा, यही रहूं
सुलझ जाऊ
फिर न कभी भटक पाऊ,
गुरूजी मै घर नही जाऊंगा
गुरूजी मै घर नही जाऊंगा..
फिर वही वापस पुराना हो जाऊंगा
यही डर सा है मुझमे,
मुझे रोको मुझे सम्भालो मुझे दिशा
दो मुझे ज्ञान दो मुझे रास्ता दो
कुछ ऐसा दो कभी रुक न जाऊ,
कभी थक न पाऊ, कभी
हौसला मेरा टूटे न
कभी हिंम्मत मेरी टूटे न, ऐसा
मन्त्र फूंक दो मुझमे,
ये मोह नही चाहिए मुझे,
सन्तुष्टि से जी लू
एक हिंम्मत से जो कभी टूटे न ,
कोई रोक न पाए कहि रुक न जाऊ,
आपके साथ हु जब तक
साहस है मुझमे
छोड़ के कहि कमजोर न हो जाऊ,
ऐसा मन्त्र फूंक दो हँसते हँसते
तर जाऊ मै,
विचलित न हूं कभी पथ से,
यही रह कर तप त्याग तपस्या
ध्यान कर लूं ,
यही वेद गीता ज्ञान पढ़ लू पर
गुरूजी मै घर नही जाऊंगा
गुरूजी मै घर नही जाऊंगा...
बाहर मै फिर भ्रमित हो जाऊंगा
फिर विचलित हो जाऊंगा ,
ऐसा मन्त्र फुंक दो मै खुद को
जान लू
खुद को पहचान लू ,सुलझ जाऊ
खुद को खुद वश में कर लूं ,
फिर देखो कैसे मैं कीर्तिमान रचु ,
सब को अपना बना लू
भारत को विश्व में अलग नाम दूँ
ऐसा अच्छा काम करू
ऐसा भला इंसान बनू!!

जयेश कुमार
आबूरोड, राजस्थान

www.womenexpress.in

मध्यप्रदेश में भाजपा अपने ही सियासी जाल में उलझी

मध्यप्रदेश में सम्पन्न 2018 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता ने जो मेंडेंट दिया था उसमें किसी एक राजनैतिक दल को पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं था। यही कारण था कि जब अधिक विधायकों की संख्या वाले कांग्रेस पार्टी को सरकार बनाने का अवसर मिला तो उसे निर्दलीय एवं अन्य छोटे दलों का सहयोग लेना पड़ा। किंतु यह कांग्रेस पार्टी का दुर्भाग्य था कि वह अपने आंतरिक विरोध को संभाल नहीं पाई और 15 माह में ही कमलनाथ को भाजपा द्वारा रचे गये एक बड़े राजनीतिक षडयंत्र का शिकार होकर सत्ता से बाहर जाने पड़ा। षड़यंत्र शब्द इसलिये उपयोग किया जा रहा है क्योंकि कांग्रेस से बागी हुए 22 विधायक और उसके पूर्व सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक योजनाबद्ध तरह से भाजपा में शामिल होकर प्रदेश में भाजपा की सरकार पुनः बनाने में अपना योगदान दिया। बैंगलोर के जिस रिसोर्ट में कांग्रेस के बागी विधायक ठहरे थे उसका सारा खर्चा भी भाजपा ने ही पर्दे के पीछे से उठाया।

15 माह बाद प्रदेश की सत्ता में वापस बाई भाजपा सरकार के लिये आगे का रास्ता इतना कठिन हो गया कि वह आज खुद के द्वारा बुने गये राजनीतिक जाल में उलझी हुई नजर आ रही है। क्योंकि कांग्रेस सरकार हटने के बाद और मुख्यमंत्री शिवराज के शपथ लेने के बाद कई दिनों तक वह मंत्रीमंडल विस्तार नहीं कर पाई। जब विस्तार हुआ तो उसमें भी उसने पांच मंत्रियों को ही शपथ दिलाई जिसमें 2 विधायक नहीं। उसके बाद लंबी खींचतान और कशमकश के बाद जब मंत्रीमंडल का तीन माह बाद विस्तार हुआ तो उसमें 14 ऐसे सिंधिया समर्थक पूर्व विधायकों को मंत्रीमंडल में शामिल करने से भाजपा के अनेक विधायकों का राजनीतिक हित मारा गया। जिससे आंतरिक असंतोष भाजपा के भीतर ज्वालामुखी बन गया। आरएसएस संभावित उपचुनाव में नुकसान को देखते हुए लगातार भाजपा के पीछे अपना माथापच्ची कर रही है। क्योंकि सरकार गई तो भाजपा के साथ संघ का भी खेल बिगड जायेगा।

प्रदेश में 230 विधायक है इसलिये 35 से अधिक मंत्री नहीं बन सकते। किंतु जब मंत्रीमंडल विस्तार किया गया तो 34 नेताओं को मंत्री बना दिया गया। जबकि नियमानुसार 31 मंत्री ही बन सकते थे। क्योंकि सदन में वर्तमान समय विधायकों की संख्या 206 है। जब ये पंक्तियां लिखी जा रही है तब 3 और कांग्रेस विधायक त्याग पत्र देकर भाजपा में शामिल हो गये। सदन में विधायकों की संख्या 203 हो गई। इसलिये मंत्रीमंडल में मंत्रियों की संख्या और घटेगी। कांग्रेस ने इस निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने शिवराज सरकार को नोटिस दिया है।

मध्यप्रदेश में कोरोना महामारी से निपटने के मुद्दे पर प्रदेश की भाजपा सरकार बहुत कुछ बेहतर कर नहीं पाई। सिंधिया को भाजपा में शामिल करने के बाद भाजपा के भीतर सत्ता का एक नया केन्द्र खड़ा हो गया है। नियमानुसार सितम्बर अंत तक विधान सभा के उपचुनाव हो जाना

चाहिये पर कोरोना महामारी का बहाना बताकर भाजपा इन चुनावों को आगे बढ़ाने के प्रयास में लगी हुई है। चूंकि चुनाव आयोग कठपुतली की तरह कार्य कर रहा है। इसलिये आश्चर्य नहीं होगा कि भाजपा की मंशा के अनुसार ही चुनाव आयोग चुनाव करायेगा। इसमें एक संवैधानिक संकट यह है कि जो 14 पूर्व विधायक मंत्री बनाये गये है। ये 6 माह से ज्यादा इस पद पर नहीं रह सकते। उनका कार्यकाल बढ़ाने के लिये त्याग पत्र लेकर उन्हें पुनः मंत्रीपद की शपथ दिलाई जा सकती है। मध्यप्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया के राजनैतिक स्वार्थो की बली चढी प्रदेश की राजनीति आगामी 2023 तक अस्थिर हो गई है। कांग्रेस के जो 25 विधायक एक बड़े सौदेबाजी के तहत भाजपा में शामिल हुए और उसका लाभ ले रहे है इनको इनके क्षेत्र की जनता ने पांच वर्षो के लिये कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुना था। परन्तु आर्थिक लालच में ये विधायकों ने अपने आप को जिस तरह से भाजपा के पाले में डाल दिया उसके बाद यह लोग जब अपने क्षेत्र में जा रहे है तो उनको जनता की तरफ से वह सम्मान नहीं मिल पा रहा है, जो उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मिला था। क्योंकि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने के जो तर्क ये दे रहे है यह सब थोथे और कमजोर है। कांग्रेस के बड़ा मलहारा के विधायक 2 बजे कांग्रेस से त्याग पत्र देते है और 6 बजे भाजपा उन्हें निगम अध्यक्ष बना देती है ये खरीद फरोख्त नहीं तो क्या है ? दरअसल दलबदल कानून कमजोर होने का पूरा लाभ बिकाऊ मानसिकता के विधायक उठाने में लगे है।

भाजपा ने सत्ता को हासिल करने के लिये जो तौर तरीक अपनाये है उससे उसके भीतर ही असंतोष की ज्वाला भीतर ही भीतर धधक रही है। ये अलग बात है कि लोग खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे है। परन्तु नाराजगी भाजपा के भीतर बहुत ज्यादा है। उसके अपने ठोस कारण है। क्योंकि 2530 सालों तक जिन लोगों ने भाजपा को सत्ता के शिखर तक पहुंचाने में अपना योगदान दिया आज वह हासिये पर है और जो लोग गद्दारी करके बिना किसी विचारधारा से प्रभावित हुए सत्ता के लालच में भाजपा में आये वह उनके सीने में सवार हो गये। इस बात का अहसास भाजपा हाई कमान को भी है और वह असंतोष को दबाने तौर तरीके अपना भी रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया का उनके क्षेत्र में कितना प्रभाव है वह इस बात से समझ आ गया कि वह अपने जूनियर से ही चुनाव हार गये। उनके प्रति जनता में इतना ही भारी लगाव होता तो 15 साल तक उनके क्षेत्र में कांग्रेस को हार का सामना नहीं करना पड़ता। 2018 के विधानसभा चुनाव में उनके क्षेत्र में कांग्रेस के विधायकों की संख्या बढ़ने का कारण सिंधिया नहीं थे बल्कि भाजपा सरकार के खिलाफ चली एंटीइंनकमबेंसी लहर इसका प्रमुख कारण था।

बहरहाल भाजपा ने नियम विरूद्ध जाकर अपने राजनीतिक और आर्थिक क्षमता के बल पर मध्यप्रदेश की सत्ता में अपनी वापसी भले ही कर ली पर सत्ता के संचालन में उसे भी हर कदम पर अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। जिन क्षेत्रों में उपचुनाव होने वाले है वहां पर कोई बड़ा भारी समर्थन भाजपा के पक्ष में नहीं दिख रहा है। जो लोग कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए उनको उम्मीदवार बनाया जायेगा तो 2018 में भाजपा के जो लोग इनके खिलाफ चुनाव लड़े थे उनके भविष्य का क्या होगा। मंत्रीमंडल विस्तार और उसके बाद के घटनाक्रम से साफ हो गया है कि भाजपा में सिंधिया भाजपा के अन्य नेताओं पर भारी पड़ रहे है। शिवराज भले ही मुख्यमंत्री हो पर सुपर मुख्यमंत्री के रूप में नरोत्तम मिश्रा ही आगे दिख रहे है।

अंत में इतना ही कहा जा सकता है कि भाजपा ने कांग्रेस को तो कमजोर कर दिया और निर्दलीयों के समर्थन से सरकार भी बना ली पर पार्टी के भीतर वर्चस्व की लड़ाई और पुराने नेताओं के अधिकारों का हनन उपचुनाव के बाद भाजपा में ज्वालामुखी बनकर फुटेगा। जिसके कुप्रभाव से भाजपा अपने आप को किस तरह से सुरक्षित रख पाती है। यह बात जिज्ञासा का विषय रहेगी। पहली बार सांसद बने नये प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा स्वयं की लॉबी खड़ा करने के लिये लगातार प्रयासरत है। जिसके कारण भाजपा के भीतर युवा और वरिष्ठ के भीतर एक नया अदृश्य सत्ता संघर्ष भी प्रारंभ हो गया है।

रहीम खान
भरवेली, बालाघाट।

www.womenexpress.in

अपराधीयो और नशा के आगोश में गहरी नींद ले रही झारखंड सरकार

नशा पतन है यह तब चरितार्थ होती है जब आप झारखंड के गाँवों कस्वों में घूमते हैं ।

जहाँ दम मारो दम में हर चौराहा लीन है और प्रशासन गहरी नींद में? आखिर क्यों न हो यह फलता फूलता नशा और अपराधीकरण झारखंड की पहचान बन गयी है। जिन बंदूको को रघुवर सरकार खामोश कर दी थी वह चिघाड़ने लगी है।जिसका ताजा उदाहरण डाल्टेनगंज में ज्वेलरी दूकान में दिन दहाड़े लूट है।आखिर चंद महीनो में इतनी विकट परिस्थिति कैसे हो गयी।

दरअसल गठजोड़ सरकार का अस्तित्व ही ऐसा है जिसकी न कोई योजना है न कोई मंजिल न ही कोई नेतृत्व तो स्थिति ऐसी होनी ही थी। शाम होते ही भय का आगोश और बेदम होते लोग आखिर काम करने वाली सरकार को हटाने का नतीजा है, जो अब सामने लूट हत्या बालात्कार के रूप में किस्त में दी जा रही है। नशा कारोबार का एक फलता फूलता सेफ जहाँ झारखंड बन गया है।

जो हेमन्त सरकार के आगोश में है। क्या सरकार इतना दम दिखा पाएगी कि इन पर कार्रवाई हो? घर घर बिकते दारू गाजा चरस यहाँ की सूस्कृति बन गयी है।चौक पर जुआ खेलते मनचले राह चलते महिलाओं पर फब्तियां कसते नजर आते हैं आखिर कैसे इतनी तेजी से अपराधीकरण बढ़ा ।

पिछली सरकार ने जहाँ बिजली, पानी, सड़क, पुल, पुलिया, आवास, शौचालय का निर्माण कर झारखंड को उच्च कोटि का राज्य बनाया।नक्सल और अपराधो पर अंकुश लगाया और बड़े बड़े अपराधी सुरमाओं या तो जमीदोज हो गए या राज्य छोड भाग गये ।लेकिन सरकार बदलते ही पुनः एक बार सर उठाने लगे है यह अब नजर आने लगी है।

हलाकि यह स्थिति का जनता खुद जिम्मेदार है जो राष्ट्रीय पार्टी को छोड़ गठबंधन सरकार को चुनी है। जिसका परिणाम उन्हें आने वाले वर्षों में भुगतना ही होगा। झारखंड में नशा का कारोबार रोकना अपराध जगत पर एक संपूर्ण कार्रवाई हो सकती है जिसके लिए सरकार को हिम्मत दिखानीं होंगी ।

आशुतोष
पटना, बिहार ।
www.womenexpress.in

हैसियत देखिये

हैसियत देखिये बच्चों की वो
नादान होते हैं।
बचपन में सीख सीख कर ही
जवान होते हैं।

डरते नहीं किसी संकट में
बस जूझ जाते हैं,
परिणाम क्या होगा इस से
अनजान होते हैं।

हैसियत देखिये आज समाज
में औरत की,
कैसे बढ़ रही बुलंदी से उच्चे
अरमान होते हैं।

पा ली हिम्मत दिखा के दुनिया
में हैसियत,
आज धरा पर पैर सिर पर
आसमान होते हैं।

कल तक जिसे लताड़ा जाता
था नारी समझ,
आज सभी के दिलों में मान
सम्मान होते हैं।

हैसियत उन्ही की जो शिव कर
के दिखाते हैं,
स्वर्ण अक्षरों में लिखे उन्ही
के नाम होते हैं।

शिव सन्याल
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

आंसू आंसू

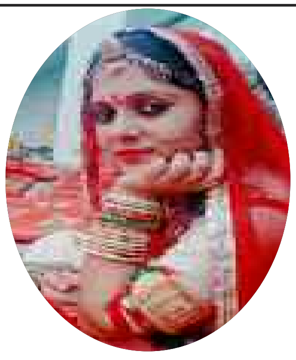

ये आंसू भी ना कितने शैतान हैं,
बेवक्त बेवजह बस यूं ही बरस
जाते हैं।
लाख छुपाना चाहे दर्द जितना,
हंसती आंखों में भी झिलमिला
जाते हैं।
यह कमबख्त चंद बूंदे भी ना,
होठों की मुस्कान को भी
झुठला जाती है।
कभी खुशी में तो कभी ग़म में,
एक यही तो जताने का जरिया
बन जाते हैं।
सारी दुनिया साथ हो या ना हो,
एक यही तो मेरे साथी बन
जाते हैं।
जब रिश्तो की आंख मिचौली
सताती है,
तब ये ही, मेरा सहारा बन जाते हैं।
जब तन्हाई बेबस कर जाती है मुझे,
तब आंसू ही तो प्यार भरा हाथ
बन जाते हैं।
टूट जाती है उम्मीदें ,
जब मुझे तोड़कर,
तब यें ही तो मेरा हौंसलो भरा
मार्ग बन जाते हैं।
यह आंसू ,ही तो है, जो हर
पल, हर वक्त,
मेरे दोस्त, सहारा और हमसफर
बन जाते हैं।।

योगेश्वरी कुंवर सिसोदियां
गांवददोडियां,
डूंगरपुर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

विरह वेदना की पीड़ा

विरह वेदना की पीड़ा को भला
वे क्या जानेंगे ?
जो छोड़ गए बेबस हमें अपना
क्या मानेंगे ?

तपते रेगिस्तान में जैसे कोई
मुसाफिर भटक जाए,
दूर दूर तक हरा वन जल उसे
कहीं न दिख पाए।
इस धधकती प्यास को भला
वे क्या जानेंगे ?
जो छोड़ गए बेबस हमें अपना
क्या मानेंगे ?
यूँ तो अक्सर समंदर शांत ही
रहता है,
हद न हो पार तब तक किसी
से कुछ न कहता है।
ज्वार उठा जो मन में उसे क्या
पहचानेंगे ?
जो छोड़ गए बेबस हमें अपना
क्या मानेंगे ?

संययत निर्मल धरती सबको
जीवन का सुख देती है,
वही प्रकृति रोषित हो तो
पाषाण में ज्वाला भर देती है।
इस ज्वलंत विस्फोट को वे
क्या शीतल कर पाएंगे ?
जो छोड़ गए बेबस हमें अपना
क्या मानेंगे ?

मंगलेश सोनी
धार, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

गृहप्रवेश

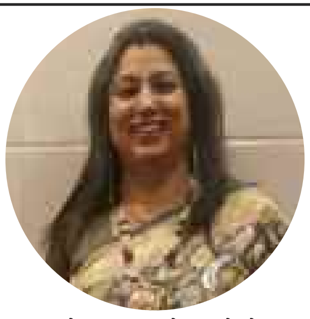

कोमल सकुचाते कदमों से,
जब वो फूलों पर चल आई!

बिछियलाली से कर श्रृंगार,
मन में सपनों को भर लाई!

अहो! जीवन भी ऐसा हो,
फूलों की सेज जैसा हो!

न हो कोई कंटक, न कोई बाधा,
हो स्वागत ,समर्पण ,वफ़ा ज़्यादा!

कोमल स्वप्नों पर अधिकार हो,
पूरा न सही हो बेशक आधा!

नारी के मन की दुविधा है,
इक संसार पीछे छोड़ आई,

जहाँ पली बढ़ी, थी हर सुविधा,
क्यों उसी को कर देते हैं विदा?

ससुराल पीहर की दहलीज़ो में,
बंट जाता उसका अस्तित्व सदा!

फिर भी वो स्पप्न सजाती है,
घरआंगन महकाती है!
गृह प्रवेश के क्षण में ही,
पीहर के सारे बंधन तोड़,

बस पिया की हो जाती है
बस पिया की हो जाती है!

तरुणा पुण्डीर
तरुनिल
www.womenexpress.in

समझ आंख की

एक वृतांत लंदन क्लोक टॉवर का
कुछ यूं हुआ बताता हूं
कैसे दे गया एक नेत्रहीन
समझ आंख की सुनाता हूं
एक के पिछे एक लगी थी गाड़ी
और लगा था लम्बा जाम
हर शाम के ट्रेफिक का
यह किस्सा था वहां का आम
मैं देख रहा था बैठा टैक्सी में
वहां की बड़ी बड़ी इमारतें
अचानक मेरी नज़र गई
लंदन को निहारते निहारते
एक नेत्रहीन अपनी छड़ी लिए
सरपट सरपट चलता हुआ
बिना आंखों के ट्रेफिक में
गाड़ियों से आगे निकलता हुआ
एक पल के लिए मुझे अचंभा हुआ
एक छड़ी के सहारे ये कैसे हुआ
ध्यान से सोचा जब मैंने
तब समझ में आया
छड़ी देखती नहीं रूकावट कोई
बताती है कहां से जाए जाया
और आंखों वाले देख रहे थे
भीड़, रूकावटें और समस्याएं
खुद भी दुनिया में ही रहते और
बेसुध होकर दुनिया का दोष बताएं
अब समाज आगे बढ़े कैसे
उलझे पड़े हैं सब खुद ही
उलझन में
आंख होकर भी साफ रस्ता
नहीं चुनते
आंख वालों को होना चाहिए
सुलझन में

स्वामी दास
(मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

बॉलीवुड को बंद करो

बॉलीवुड को बन्द करो वक्त
की यही दरकार है।
नशेबाजों पर करो कारवाई
बहुमत की सरकार है।
अंडरवर्ल्ड का ही बॉलीवुड पर
अब अधिकार है।
इन रंगे सियारों का एक बहुत
बड़ा परिवार है।
बॉलीवुड के एक्टर्स डूबे हैं
चरस और अफीम में
जिनके पीछे पागल हो वो
पागल हैं कोकीन में।
हमलोग हमेशा लुट जाते हैं गैरों
के यकीन में।
जमकर हम लुटाते हैं दौलत
फिल्मों के शौकीन में
क्यों हम इन बॉलीवुड वालों
को दिल मे बसाते हैं।
असली हीरो फौजी हैं जो देश
पर जान लुटाते हैं।
फिर भी हम चकाचौंध की
दुनिया मे खो जाते हैं।
ये फिल्मों के नकली नायक
बस पैसे कमाते हैं।
वक्त आ गया है जनमानस को
आगे आना होगा।
बॉलीवुड के बहिष्कार का
अलख जगाना होगा
देशहित में अब इनका
अस्तित्व मिटाना होगा।
इन बॉलीवुड वालों को अब
औकात में लाना होगा।

ओमप्रकाश झा, शिक्षक
दरभंगा, बिहार ।
www.womenexpress.in

राष्ट्रीयता के पैरोकार कवि.. दिनकर

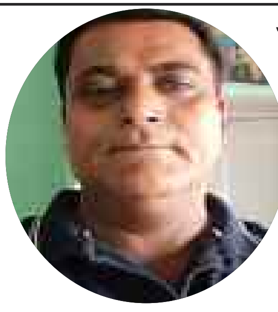

राष्ट्रीयता का लेखन में दिनकर
ने ऐसा भाव जगाया,
लोगों को वीर रस का ऐसा मंत्र
मुग्ध जादू दिखलाया।
वीरता के ओतप्रोत रचना से
लोगों में भर दिया जोश,
शोषण और गुलामी के विरुद्ध
सतत कलम चलाया।।

छायावाद का भी प्रभाव, पर
ओजकवि के साहित्यकार,
दिनकर को 1959 में मिला
साहित्य अकादमी पुरस्कार।
रश्मिरथी, उर्वशी, हुंकार,
कुरुक्षेत्र जैसे प्रसिद्ध ग्रंथ लिखे,
हिंदी के साथ उर्दू संस्कृति
मैथिली अंग्रेजी के जानकार।।

पद्मभूषण और ज्ञानपीठ जैसे
दिनकर को मिले सम्मान,
23 दिसंबर,1908 को जन्म,
1974 में हुआ देहावसान।
अपनी रचना के माध्यम से
राष्ट्रीय चेतना का भरा हुंकार,
देश की आज़ादी की लड़ाई में
दिनकर का रहा योगदान।।

जन जन के हुए कवि, अन्ततः
राष्ट्रकवि का दर्जा पाया,
अंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ़
साहित्य को आगे बढ़ाया।
सिंहासन खाली करो कि जनता
आती है प्रसिद्ध रचना,
वर्ष 1952 में राज्य सभा के
सदस्य का भी गौरव पाया।।

रेणुका, रसवंती व सामधेनी
जैसे काव्य से हुई पहचान,
अनेकानेक प्रबंध काव्य रच
कर दिनकर बने विद्वान।
दिनकर जी के जयंती पर हम
भारतवासी स्मरण करें,
हिंदी साहित्य के क्षेत्र में सूर्य
रश्मियों के जैसे तेजवान।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश]।
www.womenexpress.in

ज़िद्दी इंसान ही इतिहास रचता...!

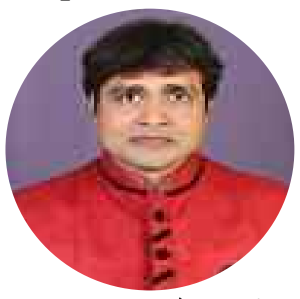

सदा गवाह वही है बनता जो,
इच्छा शक्ति मन मे दृढ़ता से रखता।
ज़िद्द के आगे दुनियां झुका दे,
ज़िद्दी इंसान ही इतिहास है रचता।

लोहे को पिघला दे साहस रखता,
अन्तर्मन मानवता ख़ुद को है गढ़ता।
हृदय की सागर में करुणा श्राव,
कर्मठ मन अंगारों पर है चलता।
न छावं की आस न प्यासे पानी पास,
तपती धूप में जिद्दी तन मन है जलता।

डूब जाता ज़िद्द की गहराई में,
इतिहास का दामन वही है रचता।
बंजर सा जिंदगी उपजाऊ की आस,
सपनो का बीज मेहनत का खाद है भरता।

रास्ते भटकाव पर पथ न डिगता,
ईमानदारी का पानी सूखेपन को सींचता।
सपने ज़िद्द के आगे घुटने टेकता,
जो इच्छाशक्ति को जिंदा है रखता,
स्वर्ण अक्षरों में नाम इतिहास है रचता।

ज़िद इंसान को पागलपन की हद
पार है करता।
मन का दृढ़ता अद्भुत ताकत है भरता।
आम इंसान से खास इंसान है बनता,
ज़िद्द के आगे कुछ मायने नही रखता।

एक मिशाल दूं मैं ऐसे,
दशरथ माँझी नाम पड़ा।
छीनी हथौड़ी हाथ में लेकर,
पर्वत चट्टानों में अडिग खड़ा।

जिद्दीपन इच्छाशक्ति से,
दशरथ माँझी भी इतिहास रचा।
ज़िद्द के आगे दुनियां झुका दे,
ज़िद्दी इंसान ही इतिहास है रचता।

दिब्यानन्द पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

सर्वदा यथार्थ कलम बोलती है

सर्वदा यथार्थ कलम बोलती है ।
मंथन करे फिर अधर खोलती है ।।
कलम है दर्पण, सत्य को दिखाये ।
जन मन भाव, मुखरित कराये ।।

कलम सर्वश्रेष्ठ ,आयुध , प्रबल है ।
कलम सर्वदा निष्कपट,निश्छल है ।।
कलम बोले तो ,दिख जाये दर्पण ।
शक्ति के सामने न करती समर्पण ।।
सदा कलम हृदय के उद्गार कहती ।
कलम कभी न अफवाहों में बहती ।।
कलम करती है नित नवीन सृजन ।
कलम शक्ति ,हिला देती सिंघासन ।।

कलम बताती है रुख क्या हवा का ।
कलम बताती प्रभाव क्या दवा का ।।
संजीवनी, समाज की ये कलम है ।
जन मन में आज की ये कलम है ।।

दबाव में कभी न झुकती कलम है ।
जो यथार्थ, वही लिखती कलम है ।।
कभी न थकती न रुकती कलम है ।
कोई ये न समझे बिकती कलम है ।।

एस पी दीक्षित
शुक्लागंज, उन्नाव
उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

एक ख्वाब

ना शौक था ना आदत थी
लिखने की।
तन्हाइयों ने लिखना सीखा दिया।

कोई ना मिला जब हाल दिल
सुनने वाला।
कलम को ही सूना के रुला दिया।

अब तो मोहब्बत हो गई है इस
कागज कलम से।
जी भर कर सुनाती हूँ इनको
किस्से अपने।।

लेकिन पलट कर कुछ ना
कहते मुझसे।
अब तो आदत सी हो गई है
लिखने की।।
जब तक है जान हममें लिखेंगे
हर पन्ना मोहब्बत का।
पर लफ्ज़ ब्या नहीं होगा उन
छोटे छोटे किस्सों का।।

नज़्म उलझी हुई है सीने में
लफ्ज़ अटके पड़े हैं होठों पर।
उड़ते फिरते है तितलियों की तरह
शब्द बिठाते है कागज के पन्नों पर।।

जीवन की इस जटिल सफर में
कठिनाइयों के इस अनंत नगर में।
जिसने थामा तुझे करूणा के
भवसागर में।।

ज़िंदगी तो है आनंद का रस
पीने के लिए।
अब तो आदत सी हो गई है
लिखने की।।

प्रमिला पांचल
अरणाय (सांचौर) राजस्थान।
www.womenexpress.in

तुम्हें किसी की बराबरी क्यों करनी है

तुम्हें किसी की बराबरी क्यों
करनी है,
तुम उससे आगे भी तो जा
सकते हो।
जो मंजिल सिर्फ तुम्हारी है,
उस मंजिल को बस तुम ही पा
सकते हो।।
चंद लम्हे देखे हुए ख्वाब को,
आसमां तक तुम ही ले जा
सकते हो।
तुम्हें किसी की बराबरी क्यों
करनी है,
तुम उससे आगे भी तो जा
सकते हो।।
खबर ना लगे किसी और को,
ऐसा एक मुकाम भी
पा सकते हो।
ज़मीं से भी उठकर,
आसमान तक जा सकते हो।।
तुम्हें किसी की बराबरी क्यों
करनी है,
तुम उससे आगे भी तो जा
सकते हो....

अनसुनी पहेलियों को भी,
कहानी बता सकते हो।
हर रात को देखे ख्वाब को,
सुबह हकीकत बना सकते
हो।।
तुम्हें किसी की बराबरी क्यों
करनी है,
तुम उससे आगे भी तो जा
सकते हो.....(सुरभि)

सुरभि शर्मा
शिवपुरी, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

नारी तुम श्रद्धा हो

नारी तुम श्रद्धा हो ,
स्वाभिमान की दाता हो ,
कभी जनक की जानकी है,
तो कभी राम की सीता

कभी काली सा क्रोध है
तो कभी शकुंतला सी शीतलता ,
जब जब नारी जागी
तब तब संघार किया
रखा रूप सीता का तुमने,
सोने की लंका का नाश किया,
रखा रूप द्रोपति का तुमने,
चीरहरण को आतुर दुर ने

जड़ से खत्म किया परिवार,
और बचाया निजी श्रंगार ,
रखा रूप अनुसूया ने जब,
ब्रह्मा विष्णु त्रिपुरारी को गोद
लिया तब

सतयुग त्रेता द्वापर देखो ,
और देखो कलियों की बात,
झांसी में आई लक्ष्मीबाई ,
खूब लड़ी और धूम मचाई

सतीश सांगलवार
धौलपुर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

कोरोना और आईपीएल

आईपीएल के तेरहवें सीजन पर,
संकट के बादल छाए थे ।
तय समय पर शुरू ना हो सका,
मन में उठे कई सवाल थे।।

कब होगा ,जाने कैसे होगा,
इस कोरोना महाकाल में।
अब शुरू हो गया ,नहीं रुकेगा,
होकर ही रहेगा , हर हाल में।।

क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए,
सुरक्षात्मक उपाय विशेष हैं।
स्टेडियम में ऑडियंस का,
प्रवेश कर दिया निषेध है।।

विपक्षी टीम की चुनौती के अलावा,
इस बार चुनौतियां अनेक हैं।
आबू धावी दुबई शारजाह की
गर्मी और नमी जिनमें एक है।।

ना ऑडियंस ,ना शोर शराबा,
फिर भी हौसले बुलन्द हैं।
ऑनलाईन फैन्स के जरिए ही,
मुस्कुरा रहे मंद मंद हैं।।

नीता तायल
कासगंज, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

जब मंजिल मिल जाती

सब सपने लगते पूरे,
जब रहते नहीं ख्वाब अधूरे,
जब मंजिल मिल जाती।

आंखों को नींदे रास आ जाते
पलकों पर सपने न ए सजा देते
जब मंजिल मिल जाती।

कोई न रहता मलाल दिल में,
अरमानों को पर लग जाते
जहां में
जब मंजिल मिल जाती।

चिंता से रहते कोसों दूर,
जीवन का ले लेते आनंद भरपूर।
जब मंजिल मिल जाती।

खुशियां बढ़ जाती, हर्ष होता अपार
जिंदगी की सारी हसरतें हो
जाती साकार।

अपनों का साथ यूं मिल जाता
दोस्तों की महफ़िल में रंग जम जाता
जब मंजिल मिल जाती।

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

यादों की पुरवाई

आज चाँद की किरणों में वो बात कहाँ दबे पाँव बहती रात के सन्नाटे से घिरी यादों की पुरवाई स्वप्न मंजूषा को रौंद रही है।

सबकी दुआ उस चौखट तक जाती है मेरी क्यूँ दुनिया के शोर में दब जाती है, कहाँ हो तुम इस सूने मंज़र में याद बहुत आते हो। छूना नसीब नहीं बस लिखकर अपनी रचनाओं में तुम्हें गुनगुना लेती हूँ, फासलों का तजुर्बा नहीं हार गया तनमन तुम्हें पुकारते बिसार कर तुम्हें मर जाऊँगी।

तन सोता है रिवाज़ निभाते पर मन जगता रहता है, दिल बेचारा जुदाई का मारा आँसूं पी लेता है, तुम क्या गए खुशहाल हलचल सी ज़िंदगी में विरानी भर गए। मन में बसी गोप प्रीत नयन तक रही पीर क्या कहूँ यादों के पृष्ठ पर संवेदना मिटती रही, तुम्हारे इश्क में तड़पते उर्मिला बनी, तुमसे प्यार करके भी मैं क्यूँ हरदम एकल ही रही।

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

मैं कौन हूँ?

आज जिंदगी से एक सवाल किया
मैं कौन हूँ.....???
क्या जो पल बीत गया है वो हूँ..
जो आने वाला कल है वो हूँ..?
मैं जिसमें बसी वो मैं हूँ या
जो मुझसे बसा है वो मैं हूँ ?
जिंदगी ने खूबसूरत जवाब दिया...
तुम हर सवाल का जवाब हो
हर समस्या का समाधान हो
माना कि कभी टूटी थी...
बिखरी थी...
तुम हजारों हौसलों की उड़ान हो
मुझे भी आभास हुआ.....
हाँ..... मैं हूँ !!
अनमोल रतन की रौनक हूँ
दिलों की चलती धड़कन हूँ !
तरुणाई की बहती सरिता हूँ
सन्नाटे में रची गई कविता हूँ!
मैं अक्षुण्ण असीम अनंत हूँ,
मैं लहलहाता बसंत हूँ
क्या वास्तव में अभी मैं ऐसी हूँ..?
शायद नहीं....
मैं परिस्थितियों का आभास हूँ
मैं एक जिंदा लाश हूँ
मैं समाज से विमुख हूँ
मैं काली अमावस की रात हूँ
बिन मौसम बरसात हूँ
मैं कौन हूँ.........??
मैं ईश्वर का अंश हूँ!
मैं आत्मा की आवाज़ हूँ!
हाँ मैं योग्य हूँ...
जीवन का योग हूँ

शिवानी त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

प्यार... कैसे लिखूं ?

मैं प्यार में
झूठ ....कैसे लिखूं?
जब उसने देखा ही नहीं।
गहरी आंखों में,
मैं सागर की गहराई कैसे लिखूं?

मैं प्यार में ....झूठ कैसे?

जब उसने सुनी ही नहीं।
मन की बात। डरी सहमी ,
तमाम जज्बातों की बात।
मैं उस आवाज को,
एक मीठा राग कैसे लिखूं?

मैं प्यार में..... झूठ कैसे लिखूं?

जब वह समझ ही नहीं।
प्यार के अहसास को।
विश्वास से बनी कायनात को।

शिकायतों की लंबी कतार को,
मैं प्यार का इजहार कैसे लिखूं?

मैं प्यार में झूठ कैसे लिखूं?

जिंदगी तड़पती रही ,
जिन शब्दों को सुनने के लिए।
मैं प्यार को बेशुमार कैसे लिखूं ।
मैं प्यार में झूठ कैसे लिखूं?

प्रीति शर्मा, असीम
हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

धोनी को सर्वश्रेष्ठ में आने में थोड़ा समय लगेगा: फ्लेमिंग

शारजाह, 23 सितंबर । चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी को 'फिनिशर' की भूमिका में आने में थोड़ा समय लगेगा जिसका हर कोई इंतजार कर रहा है।

चेन्नई की टीम राजस्थान रायल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में बीती रात लक्ष्य का पीछा करते हुए कुछ रन दूर रह गयी जबकि पूर्व भारतीय कप्तान धोनी क्रीज पर मौजूद थे। धोनी मंगलवार को हुए इस मैच में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने अपने ताकतवर शाट लगाने से पहले क्रीज पर जमने में समय लिया। जब तक वह आक्रामक हुए, उनके पास जरूरी रन बनाने के लिये काफी गेंद नहीं बची थी जिससे टीम 10 रन से हार गयी। धोनी 17 गेंद में 29 रन की पारी खेलकर नाबाद रहे। धोनी ने कहा कि उनकी टीम के दो हफ्ते के पृथकवास में रहने से उनकी तैयारियों पर असर पड़ा क्योंकि उन्हें अभ्यास करने का काफी समय नहीं मिल

सका। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हमें हर साल यह सवाल मिलता है। वह 14वें ओवर में क्रीज पर उतरा था, जो काफी काफी अनुकूल समय है और उसने इसके अनुसार बल्लेबाजी भी की। वह काफी लंबे समय तक क्रिकेट नहीं खेलने के बाद वापसी कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिये, उसके सर्वश्रेष्ठ करने की उम्मीदों के लिये थोड़ा समय लगेगा। लेकिन आप अगर मैच के अंत की ओर उसे देखो तो वह काफी अच्छा था। फाफ डु प्लेसिस फार्म में था, इसलिये हम ज्यादा दूर नहीं थे। ईमानदारी से कहूं तो बल्लेबाजी चिंता की बात नहीं थी।'' कप्तान धोनी ने खुद से पहले सैम कुर्रेन और केदार जाधव को बल्लेबाजी के लिये भेजा था। इस कदम के बारे में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, ''एम एस पारी के अंत में खेलने का विशेषज्ञ है, हमेशा रहा है। कुर्रेन हिट करने और उस समय तक हमें मैच में बनाये की कोशिश कर रहा था। उसकी हिट करने की ताकत शानदार है, जैसा हमने देखा।'' फ्लेमिंग ने कहा, ''रितुराज के लिये यह पहला मैच था और हम उसे मैच में लाना चाहते थे। हम आक्रामक रहना चाहते थे, हमारा लंबा बल्लेबाजी क्रम है और हम अपने खिलाड़ियों का चतुराई से इस्तेमाल करना चाह रहे थे।'' उन्होंने कहा कि उनकी टीम के स्पिनर अपनी गेंदों की लेंथ से सामंजस्य बिठाने में थोड़े धीमे रहे। संजू सैमसन (74 रन) ने स्पिनरों के खिलाफ आक्रामक प्रदर्शन किया। फ्लेमिंग ने कहा, ''उनके (राजस्थान रॉयल्स) बल्लेबाजों ने आठ ओवरों में काफी शानदार प्रदर्शन किया। यह बल्लेबाजी के लिये अच्छा विकेट था और हम सामंजस्य बिठाने में थोड़े धीमे रहे।

ड्रग्स केस: NCB ने दीपिका, सारा अली खान श्रद्धा कपूर और रकुल प्रीत सिंह को भेजा समन

नई दिल्ली । सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में सामने आए ड्रग्स कनेक्शन पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने बुधवार को बड़ा एक्शन लिया है। एजेंसी ने बॉलीवुड की कई टॉप एक्ट्रेस को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। जिनको समन जारी किया गया है, उनमें दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह और श्रद्धा कपूर के नाम शामिल हैं।

दीपिका पादुकोण को 25 सितंबर, सारा अली खान और श्रद्धा कपूर को 26 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। सारा और श्रद्धा कपूर के घर एनसीबी की टीम नोटिस सर्व करने पहुंची है। इस मामले में पहले ही रिया चक्रवर्ती, शौविक समेत कई लोगों को जेल भेजा जा चुका है। इससे पहले, कई रिपोर्ट्स ने दावा किया था कि टीवी एक्टर्स अबीगेल पांडे और सनम जौहर को भी एनसीबी ने समन भेजा है।

दरअसल, इन दोनों का नाम भी सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग्स ऐंगल में सामने आया था, जिसके बाद एनसीबी ने यह कदम उठाया। वहीं, सुशांत सिंह राजपूत की टैलेंट मैनेजर रहीं जया साहा ने कबूल किया है कि श्रद्धा कपूर, रिया चक्रवर्ती और एसएसआर के लिए उन्होंने सीबीडी ऑयल ड्रग अरेंज किया था। टाइम्स नाउ के मुताबिक जया साहा ने कहा कि सीबीडी ऑयल उन्होंने अनुराग कश्यप की पूर्व बिजनेस पार्टनर मधु मानतेना के लिए भी अरेंज किया था। हाल ही में ड्रग्स मामले से जुड़ीं कुछ वॉट्सऐप चैट्स सामने आई थीं, जिसमें दीपिका पादुकोण का नाम सामने आया। इस चैट में **D**, **K** से माल यानी ड्रग्स की मांग कर रही थीं। टाइम्स नाउ ने दावा किया था कि **D**दीपिका हैं और **K** करिश्मा हैं, जो क्वॉन टैलेंट मैनजमेंट एजेंसी की कर्मचारी है। क्वॉन कंपनी का कई बड़े बॉलीवुड एक्टर्स और एक्ट्रेसेस से कॉन्ट्रैक्ट रहा है, जिसमें दीपिका का नाम भी शामिल है। दीपिका चैट्स में माल यानी ड्रग्स की मांग करते हुए मिली थीं। क्या तुम्हारे पास माल है? इसपर च जवाब देती हैं, है, लेकिन घर पर है। मैं बांद्रा में हूं। च लिखती हैं कि अगर आपको चाहिए तो अमित से कह देती हूं। फिर **D** कहती हैं कि हां, प्लीज। **K** का जवाब आता है कि अमित के पास है, वो रखता है। एनसीबी के अधिकारियों ने भी कहा था कि जरूरत पड़ने पर दीपिका पादुकोण को तलब किया जा सकता है।

उत्सव..

तो उत्सव ही है
परिवार जन साथ बैठें
हँसी ठिठोली हो
साथ समय बिताएं
खाएं पियें आनंदित हों
वो भी तो उत्सव है
जन्मदिन हो दोस्तों की
शुभकामनाएं मिलें फोन आये
वो भी उत्सव है
सालगिरह हो पति द्वारा
छोटा सा सरप्राइज भी
उत्सव है
इस तरह हर छोटी खुशी
में बड़ी खुशी पा लेना
उत्सव ही तो है।।

ये तो मन का एक भाव या
धारणा है की उत्सव तभी
होता है जब होली, दिवाली
ईद, बैसाखी
नवरात्रि, दुर्गा पूजा
या कोई भी अन्य त्योहार हो
जब आप का कोई
अपना बहुत दिनों बाद मिले
साथ समय बीते वो भी

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा, उत्तरप्रदेश ।
www.womenexpress.in

वीरानियाँ

होश में आ गए कई सपने
जब हकीकत की हकीकत देखी,
महलों में जो बसती है वीरानियाँ
आज हमने वो खंडहर देखा।

रास्ता काटकर गई बिल्ली
तो ठिठक क्यूं गए,
हौसलों से पार करते हमने
जुनूनियों को रास्ता देखा।

गुलशन कहाँ चली गई
आज वीरान गुलिस्तां देखा,
हर दरख्त,हर चौखट
कई बार झाँककर देखा।

उस परिंदे को चोट आई तो
कलेजा मुँह को आया था,
जिगर हर शख्स का जख्मी है
आज एकएक कर देखा।

पाँव रुके हुए नजर आए
जुनूं से भरे शख्स का,
मंजिल की आस थी जिसमें
उसका ठहरा हुआ सफर देखा।

रत्ना श्रीवास्तव
गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश ।
www.womenexpress.in

वो है प्यारी मीना

सबको अच्छी बात सिखाती,
स्कूल समय से पढ़ने जाती ,
हर मुश्किल को झट सुलझती,
पढ़ती , लिखती, हँसती , गाती।।

कौन हैं बच्चों ?
वो है मीना , प्यारी मीना

मिट्ठू को जो गले लगती ,
राजू पर भी प्यार लुटाती,
गुरु, अभिभावक और सभी का
आदर करती मान बढ़ती ।।
कौन है बच्चों ?

वो है मीना, प्यारी मीना
जीवन में कभी हार न मानों,
सबके दुःख को अपना मानो,
खेलों, कूदो, खुशियां बाटों ,
तुम सब मीना को पहचानों।
कौन है बच्चों ?
वो है मीना, प्यारी मीना

आसिया फ़ारूक़ी
(शिक्षिका)
प्राथमिक विद्यालय अस्ती
फ़तेहपुर।
www.womenexpress.in

तुम लड़की हो

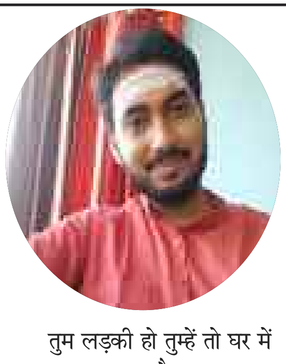

तुम लड़की हो लेकिन उससे
पहले एक इंसान हो
तुम्हारी भी कुछ ख्वाइशें होंगी
कुछ सपने होंगे कुछ अरमान होंगे
तुमने भी खवाब देखा होगा
उसको आकार दिया होगा
लेकिन लोगो को क्या फर्क पड़ता
तुम्हारे उन ख्वाइशों से
उन सपनों से और अरमानों से
क्योंकि तुम लड़की हो तुम्हें तो
घर में रहना है।

तुम लड़की हो तुम्हें तो घर में
रहना है
क्या करोगी ज्यादा पढ़ लिखकर
तुम्हें तो किसी और के घर
जाना है
ये सोच की दीवार कब
खत्म होगी

उत्कर्ष श्रीवास्तव
गोरखपुर ।
www.womenexpress.in

नसीब

तन्हाई से मुझे ।।
नफ़रत इतनी मिली ज़माने से,
उठ गया है विश्वास इस
मुहब्बत से मुझे
हर तरफ मेरे दोस्तों की
महफिलें है,
डर लगता है दोस्तों की जुदाई
से मुझे ।।

क्यों करूँ गिला मैं अपने
नसीब से,
जो चाहा दिल ने वहीं मिला
नसीब से मुझे।
आकाश के तारों को छुना चाहा,
जला दिया है अब इनकी
गरमाईश ने मुझे।।

छोड़ा बादल का दामन,
मोती बनने की ख्वाहिश थी मुझे।
मोती बन सीप के मुँह में पड़ा हूँ,
घबराहट होती है अब इस

ना खुशी थी तेरे मिलने की,
फिर क्यों दुःख हुआ तेरे चले
जाने से मुझे।
ना उम्मीद थीं तुझसे वफ़ा
की कभी,
फिर क्यों शिकवा है तेरी
बेवफ़ाई से मुझे।।

मुक्ता शर्मा
मोहाली ।
www.womenexpress.in

उन्नति का शिखर

उन्नति का शिखर
छूने के प्रयास में
बुराई की चरम सीमा तक
गिर जाता है इंसान
काट लेता है वह
अपने प्रतिद्वंदियों की टांगे
और थमा देता उनको बैसाखी
फिर शिखर पर बैठा
गिरते सम्भलतों का उपहास उड़ा
चाटुकारिक हास हंसता है

कुछ पाने की होड़ में
दौड़ता इंसान लांघ जाता है
सीमा और मर्यादा के दायरे को
संसार की प्रतिस्पर्धा में अक्सर
जो जितना आगे निकल जाता है
उतना ही पीछे छूट जाता

मानवीय संवेदनाओं का फीता
स्वार्थ की गोली चला
भीड़ को तितर बितर कर देता
आदर्शों और मूल्यों को रौंद
बीच रास्ते गगनचुम्बी इमारत
बना लेता
प्रतिद्वंदियों की बस्ती में
भी वही कुटिया बना पाता
जेब में रख घूमता जो
कुटिलता और चापलूसी के
औजार

प्रगति के वीभत्स राज्य में
सभ्य बन बेखौफ़ उन्नति करता
अचूक हथियार, सबल ढाल
सत्ता या शक्ति के दम पर
जीत का जश्न मनाता
अपने जैसों की भीड़ में घिरा
अनभिज्ञ रहता
कि दूर कहीं कोई योग्यता
अपनी अयोग्यता का कारण
तलाशती
बगावत का बिगुल बजा रही है

सारिका जागृति
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

चीन का हश्र बहुत बुरा होगा!

भूलकर पुरानी शत्रुता,
जोशोखरोश से मित्रता का हाथ
बढ़ाया,
सभ्यता और संस्कृति की
बानगी दिखाकर,
जीवन जीने का सलीका
सिखाया,
मगर अफसोस हुआ हमें, यह
देखकर,
हमारा मैत्री भाव, किसी काम
नहीं आया!
फिर से घोंप दिया छूरा उसने
हमारी पीठ पर,
जिसे हमने अपना समझकर
था, झूला झुला या!
सच कहा है, किसी ने, सांप
को दूध न पिलाओ
जिसने भी पिलाई दूध, सांप
उसे ही काट खाया

चीन वह कृतघ्न देश है,
जिससे भी लाभ उठाया,
उसी को छला उसने, नुकसान
पहुंचाया!
हमारी संप्रभुता पर हम आंच
नहीं आने देंगे,
हमारी एक एक इन्च भूमि के
लिए लड़ेंगे!
ऐ भूखे चीन, तू छीनना चाहे
जो हमारी जमीन,
चटा देंगे धूल तु म्हें, भले न
हो तुमको यकीन!
अब कभी नहीं होगी, मित्रता
तुमसे दुबारा,
सबको याद है अभी, हिन्दी
चीनी भाई भाई का नारा!
जो कब्ज़ा की हुई है भूमि, हमें
वापस लेना है,
तुम्हारा अहंकार, तुम्हारा दर्प
सब मिटा देना है!
यदि युद्ध हुआ इस बार तो
बहुत ही पछताओगे,
विश्व मानचित्र पर फिर नज़र
भी नहीं आओगे!

पद्म मुख पंडा,
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

मिट्टी के आंगन में

सोने सी चमक थी , मिट्टी के
आंगन में !
अद्वितीय महक थी , मिट्टी के
आंगन में !!
नन्हें कदमों की ताल थी ,
मिट्टी के आंगन में !
बच्चों की अठखेलियाँ थी ,
मिट्टी के आंगन में !!
दादा दादी के संस्कार थें ,
मिट्टी के आंगन में !
नानानानी की कहानियां
थी,मिट्टी के आंगन में!!
सोने सी चमक थी , मिट्टी के
आंगन में !
अद्वितीय महक थी , मिट्टी के
आंगन में !!
त्योहारों पर सजावट थी , मिट्टी
के आंगन में !
मंद मंद मुस्कुराहट थी , मिट्टी
के आंगन में !!
भोजन की ललक थी , मिट्टी
के आंगन में !
पकवानों की झलक थी, मिट्टी
के आंगन में !!
सोने सी चमक थी , मिट्टी के
आंगन में !
अद्वितीय महक थी , मिट्टी के
आंगन में !!
पेड़ पौधो की छांव थी , मिट्टी
के आंगन में !
दीपक की रोशनी थी , मिट्टी के
आंगन में !!
परिवार का अपनत्व था, मिट्टी
के आंगन में !
गांव की अद्भुत कला थी, मिट्टी
के आंगन में!!
लुप्त होने के कगार पर , मिट्टी
के आंगन !
अब काग़ज़ों में दिखेंगे , मिट्टी
के आंगन !!

कुमार जितेन्द्र
बाड़मेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

अक्सर

दो इंसान एक साथ तो चलते हैं
दो मन एक साथ नही चलते है!!
एक बहुत कुछ कहताएक
खामोश रहता
एक खिलखिलाता तोएक
सोचों मे गुम रहता
एक मुस्कुराता तोएकअश्कों
को समेटे रहता
एक गुनगुनाता है तोएक अंदर
ही घुटता रहता
एक को काँधा हैएक तरसता
ही रहता
एक को सारा जहाँ मिलता
दूसरा आस में ही रहता
एक का सतरंगा हैतो दूसरा
अपने सपनो कुचलता रहता
बस ये ही जीवन...!!

अंजू जांगिड़
(सोजत रोड)
राजस्थान।

एकांत

बहुत प्यारासा लगने लगा है,
मुझे अब ये एकांत,
एकांत जो मुझे मुझसे मिलाता है,
एकांत जो खुद से मुझे है
रूबरू कराता।
एकांत जिसमें, बसी हूँ मैं,
अनगिनत आवाज़ों से मुझे,
प्यारा है ये मेरा एकांत।
उस परम तत्व से है,
मुझे मिलाता, ये एकांत।
मेरे अंतस में बसी,
उस परम सत्ता का मुझे,
दर्शन कराता,ये एकांत।
हृदय में मधुर गीतों को,
सँजोता है, ये एकांत।
होठ भले ही चुप रहते हैं,
पर मुझसे न जाने,
कितनी बातें करता है, ये एकांत।
मेरी सीमाओं को तोड़,
मुझे है असीमित बनाता, ये एकांत।
दिल ओदिमाग से,
परदे हटाता, न जाने कितनी,
भवबाधा गिराता, ये एकांत।
जुबां की चुप्पी भले इसमें,
मगर हृदय की चुप्पी तोड़,
अनगिनत साज़ छेड़ जाता,
ये एकांत।
मुझे तो बस, अपना सा लगे है,
ये मेरा एकांत।
मुझमें अविरल,
अविच्छिन्न, मधुरसा
शांत बहता, ये मेरा एकांत।
झूठे बन्धनों की, बेड़ियों को तोड़,
है मुझको मुक्त करता,
ये मेरा एकांत।
खुद के दरमियां,
जो खींच गयी थी,
न जाने कितनी दीवारें, उनको तोड़,
मुझको है खुदी से जोड़ता,
ये मेरा एकांत।

डॉ0 दीपा
सहायक प्राध्यापिका
दिल्ली विश्वविद्यालय ।
www.womenexpress.in

भरे पड़े है कांटे सारे जमाने में

भरे पड़े है कांटे सारे जमाने में
ढूढते रहते है कली को निशाने में
बहुत मुश्किल होता है जी पाना
काँटो से अपने दामन को बचाना
सब कांटे उसे गिद्ध से घूरते रहते है

वासना की नजर से तौलते रहते है
बाग लगता है उसे हैवान का जंगल
घर भी कभीकभी हो जाता अमंगल

कितनी कठिनाई से दामन बचाती है
बकरे की माँ कबतक खैर मनाती है

कभी ना कभी हो जाती है अपघात
कोई कांटा लगा देता है उसपर घात
तब कितनी असहनीय वेदना होती है
उसका दर्द वो जीवन भर ढ़ोती है
तार हुये दामन का न्याय नही होता है

उल्टा निर्दय संसार उसे ही दोष देता है
कांटा निर्भय निडर अकड से घूमता है
पद, धन, बल नशे में निर्लज्ज
झुमता है
कली एकाकी अन्धेरे में खुद रोती है

अपने कली होने का अभिशाप ढ़ोती है
कैसा है इस सभ्य संसार का नियम

पीडित को दिया जाता दोष संयम
कली का दर्द कोई समझ ही नही पाता
ये नासूर उसे पूरे जीवन भर है सताता

सब सपने इच्छाए चूरचूर हो जाती
है घुटघुटके मरने को मजबूर
हो जाती है
कब तक ये अत्यचार वो सहती रहेगी
कब तक कली काँटो से बिंधती रहेगी

इन्सान हो तो इन्सानो सा काम करो
इंसानियत को ना तुम बदनाम करो
किसी कली के दामन मे दाग लगाओगे
तो क्या कभी चैन से तुम जी पाओगे

सुधीर कुमार पाल
कानपुर, उत्तरप्रदेश ।
www.womenexpress.in

महान दिनकर...!

जिनके शब्दों में सच के उद्गार
प्रबल थे,
जिनके बोलों में नवीन सृजन
के हर आधार सबल थे,
जिनका सिर झुका नहीं कभी
अन्याय आगे,
जिनकी लेखनी विचलित न हुई
कठोर न्याय के आगे
जिनकी व्यक्तित्व की व्याख्या
के आगे, बौना पड़ जाए वितान
अम्बर का,
कहां से लाऊं वो शब्द जो कर सके
व्याख्यान महान दिनकर का...!!

जिनकी कविताओं में देशभक्ति
से परिपूर्ण हर बोल हुआ करते थे
..,
भरी सभा मे हिन्दी के अपमान
पर ,जो नीति का सच्चा पाठ पढ़ा
सके वो दिनकर अनमोल हुआ
करते थे,
गलत , अपराध और हर कुंठित
विचारों के लिए जिनके लेखनी में
विद्रोह की ज्वाला थी,
जिनके हर शब्दों की पवित्रता
मानो शिवालय पे अर्पित सुगन्धित
सुमानों की माला थी,
जिनके शब्दों के हर सार में
कम पड़ जाए मान समन्दर का
कहां से लाऊं वो शब्द जो कर
सके व्याख्यान महान दिनकर
का...!!

लेखनी जिनकी नहीं हुई भ्रष्ट
कभी हालातों के आगे,
वो ' दिनकर ' , दिनकर था
हिन्दी का, हर भ्रमित रातों के आगे,
अपना वतन ये भूमि भारत की
जिसके लिए सर्वश्रेष्ठ थी,
मां हिन्दी के चरणों में स्वयं
जीवन को अर्पित करने वाले
दिनकर की कहानी श्रेष्ठ थी
कलम की ताकत से किया
जिसने सामना विद्रोहों के
हर बवंडर का
कहां से लाऊं वो शब्द जो कर सके
व्याख्यान महान दिनकर का...!!

पायल पांडेय ' गीतानिल '
कांदिवली, मुंबई ।
www.womenexpress.in

महाकवि राव चंद्रबरदाई

राव चंद्रबरदाई तुम्हारा
जीवन बढ़ा महान हैं।
महाकाव्य क़ि रचना करदी
धन्य तुम्हारा ज्ञान हैं॥

मित्र बहुत थे पृथ्वीराज के
तुमसा ना कोई और हुआ।
प्राणों का सर्वस्व लुटाकर
जीवन कों नव सूत्र दिया॥

मैंत्री भाव क़ि परिभाषा कों
नूतन एक स्वरूप दिया।
बलिदान सौंपकर प्राणों का
कविवर जीवन यह धन्य किया॥

पृथ्वी का इतिहास रच दिया
रासो जिसका नाम हैं।
दास विमल कर जोर चंद्रकवि
करता तुम्हें प्रणाम हैं॥

विमल राव
भोपाल, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

ये दिल नहीं धड़कता तुम बिन कसम से

ये दिल नहीं धड़कता तुम बिन
कसम से ,
है शबएगम में तड़पता तुम बिन
कसम से।

करवटें बदलते रहते हैं हम
बिन तेरे सनम
बैरी चांद भी है जलाता तुम
बिन कसम से ।

नज़र क्या करें हम तुम्हें ,
सब तुम्हारा है ,
अपना कुछ नज़र नाआता तुम
बिन कसम से ।

लाख चिलमन हो यार का
दीदार हो जाता है ,
इश्क है रूहानी कौन समझाता
तुम बिन कसम से।

ग़ैर के आगोश में मचलते हैं
हम शब भर सनम,
चिलमन कोकोई ना छु सकता
तुम बिन कसम से ।

ना करो हमें बर्बाद तुम करके
रूसवा मोहब्बत
मर जाएंगे हम बे ख़ता
तुम बिन कसम से ।

नज़रों के तीर चलाना सीखा है
हमने तुमसे ,
नहीं किसी ने हमारा दिल जीता
तुम बिन कसम से

रक़ीब हमारे , तुम्हारी
ख्वाबगाह में टहला किए
आंख से मेरे आंसू रहा
छलकता तुम बिन कसम से

यूं तो हम रहे चाहत सितारों
और नज़ारों की भी
मगर कोई हमें नहीं समझता
तुम बिन कसम से ।

जब देखा खुद को आईने में
हमने पर्दा कर लिया,
किसी का ही चेहरा नहीं भाता
तुम बिन कसम से ।

चिलमन में रहती है *प्रेम*सदा
ज़माने के डर से ,
कोई नहीं दीदार कर सकता
तुम बिन कसम से ।

प्रेम बजाज,
जगाधरी (यमुनानगर) ।
www.womenexpress.in

एक नजर

मूसलाधार बारिश से थमी मुंबई

मुंबई । रातभर हुई भारी बारिश ने मुंबई और मुंबई महानगरीय क्षेत्र में जिलों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। भारी बारिश के कारण सड़क और रेल यातायात गंभीर रूप से बाधित हुई है और आवश्यक सेवा दे रहे लोगों के आवागमन को प्रभावित किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। आईएमडी के अनुसार, शहर में 12.20 सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई, जबकि उपनगरों में रात के दौरान 27.50 सेंटीमीटर से अधिक बारिश हुई। आईएमडी मुंबई ने आगामी दिनों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, इसके साथ ही अधिकारियों ने लोगों से आग्रह किया है कि जब तक आवश्यक न हो घर से बाहर न निकलें। सेंट्रल मुंबई के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों जैसे सायन, माटुंगा, कुर्ला, चूना भट्टी, मझगांव, मस्जिद बंदर और बाइकुला से भारी जलजमाव की सूचना मिली है। उपनगरों में कई इलाकों के अलावा गोरेगांव, मलाड, दहिसर, कुर्ला, घाटकोपर, मुलुंद में जलभराव होने की जानकारी सामने आई है।सीआर के मुख्य प्रवक्ता शिवाजी सुतार ने कहा कि, सेंट्रल रेलवे ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से ठाणे और वाशी तक उपनगरीय सेवाएं निलंबित कर दी हैं। रेलवे ने चर्चगेट से अंधेरी के बीच सभी उपनगरीय सेवाओं को निलंबित कर दिया है आईएमडी, मौसम विज्ञान के डिप्टी डायरेक्टर जनरल केएस होसलिकर ने कहा, मुंबई और ठाणे उपनगरों में पिछले 12 घंटों में भारी बारिश के साथ कुछ क्षेत्रों में 150 मिलीमीटर से अधिक बारिश रिकॉर्ड करने की जानकारी मिली है।

पेप्सीको इंडिया ने किसानों को भेंट की हाईजीन किट्स

लखनऊ । बहुराष्ट्रीय कंपनी पेप्सीको इंडिया ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में किसानो को हाइजीन किट्स प्रदान की और कोरोना के मुश्किल समय में अन्नदाताओं के साथ खड़े रहने की प्रतिबद्धता का इजहार किया। हाईजीन किट्स में मास्क और सैनिटाईजर हैं, जो कोविड19 के खिलाफ लड़ाई के लिए बहुत जरूरी हैं। हाईजीन की सर्वश्रेष्ठ विधियों के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए पेप्सीको इंडिया विशेष आनग्राउंड प्रोग्राम भी चला रहा है, जो हाथ धोने, उचित तरीके से मास्क पहनने तथा सोशल डिस्टैंसिंग जैसे प्रिवेंटिव उपायों का पालन करने पर केंद्रित है। पेप्सीको इंडिया के एग्रो निदेशक प्रताप बोस ने कहा ‘ हम अपने किसान मित्रों के आभारी हैं, जो हमारी टेबल पर भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कोविड19 महामारी के दौरान भी मेहनत से काम करते रहे। वो भारत के असली नायक हैं। प्रयासों की सराहना करती है। ‘कोरोना महामारी फैलने के साथ ही पेप्सीको इंडिया अपने सामुदायिक सहयोग के कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहा है, जिनमें सुविधाओं से वंचित समुदायों को 10 मिलियन से ज्यादा आहार प्रदान करना तथा विभिन्न सरकारी लैब्स एवं अस्पतालों को 35,000 से ज्यादा कोविड टेस्ट किट उपलब्ध कराना शामिल है।

24 घंटे में संक्रमण के 5,234 नए मामले, 6,506 मरीज हुए स्वस्थ

यूपी में अब एक दिन में रिकार्ड 1.65 लाख कोरोना नमूनों की जांच

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 23 सितंबर । प्रदेश में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच प्रतिदिन होने वाली जांच के मामले में उत्तर प्रदेश ने फिर एक नया रिकार्ड बनाया है। राज्य में मंगलवार को अभी तक के सर्वाधिक 1,65,565 कोरोना नमूनों की जांच की गई।

अब तक 3.02 लाख मरीज हुइ स्वस्थ, रिकवरी दर बढ़कर हुई 81.88 प्रतिशत अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बुधवार को बताया कि इसके साथ ही प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या अब 61,698 हो गई है। बीते चैबीस घंटे में संक्रमण के 5,234 नए मामले सामने आए, वहीं इसी दौरान 6,506 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज किए गए। अब तक कुल 3,02,689 लोग इलाज के बाद पूरी तरह ठीक होने के बाद घर भेजे जा चुके हैं। राज्य में संक्रमण के बाद कुल मौतों की संख्या 5,299 पहुंच गई है। इनमें बीते चैबीस घंटे में 87 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में मरीजों के ठीक होने की दर वर्तमान में और बढ़कर 81.88 प्रतिशत हो गई है।

अब तक कुल 89.92 लाख कोरोना नमूनों की हुई जांच उन्होंने बताया कि राज्य की विभिन्न प्रयोगशालाओं में कोरोना नमूनों की जांच में लगातार इजाफा किया जा रहा है। इसकी बदौलत अब तक कुल 89,92,424 कोरोना नमूनों की जांच की जा चुकी है। 2,916 पूल के जरिए 16,600 नमूनों की हुई जांच उन्होंने बताया कि मंगलवार को

2,916 पूल के जरिए 16,600 नमूनों की जांच की गई। इनमें 2,512 पूल के जरिए प्रति पूल पांच पांच नमूनों की जांच की गई, जिसमें 331 पूल की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वहीं 404 पूल के जरिए प्रति पूल दस दस नमूनों की जांच की गई, जिसमें 25 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। 31,791 मरीजों का होम आइसोलेशन में चल रहा इलाज उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में कुल सक्रिय मरीजों में से 31,791 लोग होम आइसोलेशन यानि घर पर रहकर इलाज की सुविधा का लाभ ले रहे हैं। वहीं 3,517 लोग निजी अस्पतालों और 196 लोग होटल में एल1 प्लस की सेमिपेड फैसिलिटी सुविधा के तहत अपना इलाज करा रहे हैं।

इनके अलावा शेष राज्य सरकार की एल1, एल2 व एल3 की व्यवस्था के तहत सरकारी अस्पतालों में भर्ती हैं। 12.26 करोड़ लोगों के बीच पहुंची स्वास्थ्य टीमें स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के बीच पहुंचकर सर्वेश्रण कर रही हैं।

अभी तक 1,17,556 इलाकों में 3,75,885 टीमों ने 2,46,96,323 करोड़ घरों का सर्वेक्षण किया है। इसके तहत 12,26,70,811 करोड़ से अधिक लोगों की मेडिकल स्क्रीनिंग की गई है। 7,180 बच्चों ने एक दिन में सरकारी अस्पतालों में लिया जन्म अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने बताया कि राज्य में कोविड के साथ नॉन कोविड केयर पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में प्रसव की सुविधाएं पहले की तरह मुहैया करायी जा रही हैं।

21 सितम्बर को प्रदेश में 7,180 शिशुओं ने सरकारी अस्पतालों में जन्म लिया। इनमें 6,975 नॉर्मल डिलीवरी और 205 सिजेरियन प्रसव हुए। कोविड हेल्प डेस्क से 7.76 लाख लक्षणात्मक लोगों की हुई पहचान प्रदेश में कुल 64,507 ‘कोविड हेल्प डेस्क’ की स्थापना की जा चुकी है। इनके जरिए 7,76,327 लक्षणात्मक लोगों की पहचान की गई। इनमें ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर उपलब्ध हैं। इन सभी इकाइयों में सैनिटाइजर की पर्याप्त उपलब्धता की गई है।

ईसंजीवनी का अब तक 92,928 लोगों ने उठाया लाभ इसके साथ ही ईसंजीवनी पोर्टल का प्रदेश के लोग लगातार इस्तमाल कर रहे हैं, इस पोर्टल से घर बैठे डॉक्टरों से सलाह ले सकते हैं। मंगलवार को 2,380 लोगों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। अब तक कुल 92,928 लोग इस पोर्टल के जरिए चिकित्सीय लाभ ले चुके हैं।

सीएम गहलोत ने प्रदेश की प्रथम भूमिगत मेट्रो का किया लोकार्पण

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

जयपुर, 23 सितंबर । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की प्रथम भूमिगत मेट्रो रेल चांदपोल से बड़ी चैपड़ का आज यहां लोकार्पण किया। गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जयपुर मेट्रो चरण (प्रथम) बी के तहत चांदपोल से बड़ी चैपड़ तक बनी भूमिगत जयपुर मेट्रो का लोकार्पण किया। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर मेट्रो रेल को रवाना किया और भूमिगत मेट्रो रेल की शुरुआत की।

इस अवसर पर गहलोत ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि आज का दिन इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रास्ते में मंदिरों के होने से लोगों की धार्मिक भावना का ध्यान रखना एवं विरासत को बचाते हुए यहां भूमिगत मेट्रो रेल के लिए काम करना काफी चुनौतीपूर्ण था। लेकिन जनता की भावनाओं का ध्यान रखते हुए काम किया गया और इसमें व्यापारियों एवं लोगों ने साथ दिया और दिल्ली मेट्रो रेल की सहायता से इस काम को पूरा किया गया।

उन्होंने कहा कि इस भूमिगत मेट्रो रेल का काम ढाई साल में पूरा होने की उम्मीद थी लेकिन सरकार के बदल जाने के कारण इसमें विलंब हुआ। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के सहारे तमाम सावधानी बरती गई और इस चुनौतीपूर्ण काम में बिना किसी दुर्घटना एवं नुकसान के काम पूरा हुआ और यह विश्व स्तरीय मेट्रो रेल बनी है। जयपुर मेट्रो प्रथम बी का शिलान्यास सितंबर 2013 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा मनमोहन सिंह ने किया था। उन्होंने कहा कि जयपुर से बड़े अन्य शहरों से पहले इसका काम शुरु हुआ और काम पूरा भी कर लिया गया। उन्होंने कहा कि जयपुर में जब पहले चरण में रेल बनी तब उनकी आलोचना हुई थी और कहा गया था कि यह महंगा और घाटे का सौदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें यह घाटे नफा नहीं देखा जाता। यह सरकार की सामाजिक जिम्मेदारी है। गहलोत ने कहा कि राजधानी में सीतापुरा से अंबाबाड़ी तक 22 किलोमीटर लम्बा मेट्रो रेल का सपना भी है और इसके प्रति भी उनका ध्यान है। कोरोना के चलते इसमें भी विलंब हो रहा है और वह चाहेंगे कि इसे भी शुरु किया जाये। उन्होंने कहा कि जयपुर के अलावा प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े शहर जोधपुर में भी मेट्रो रेल चलाने की बात है। अब देखना यह है कि इसमें केन्द्र सरकार कितना सहयोग करती है।

मथुरा में 50 हजार रूपये का इनामी बदमाश गिरफ्तार

मथुरा, 23 सितंबर। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और नौहझील पुलिस की संयुक्त टीम ने बाजना अलीगढ़ मार्ग पर हुई मुठभेड़ में एक 50 हजार रूपये के इनामी बदमाश रामू को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि मुखबिर की सूचना एसटीएफ और नौहझील पुलिस टीम ने बाजना अलीगढ़ मार्ग पर हुई हुई मुठभेड़ में 50 हजार रूपये के इनामी रामू को गिरफ्तार किया गया।इनामी रामू का साथी भागने में सफल रहा है।मुठभेड़ में रामू के पैर में गोली लगी है।उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोकेश भाटी के अनुसार इनामी बदमाश के पास से एक मोटरसाइकिल, एक तमंचा 315 बोर, चार जिन्दा कारतूस एवं चार खोखा कारतूस बरामद हुए हैं। वह हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार आदि मामलों में वांछित था जिसमें से दो डकैती की घटनाएं तो नौहझील थाना क्षेत्र से एक्सप्रेस वे की हैं। उसकी गिनती खुखार एवं शातिर बदमाशों में होती है। वह पहले भी जेल जा चुका है। एसएसपी डा0 गौरव ग्रोवर ने बताया कि बदमाश रामू की क्रिमिनल हिस्ट्री मिली है।

वाराणसी दूरदर्शन से कार्यक्रम के पुनः प्रसारण खातिर पीएम को चिट्ठी

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। कोरोना काल में वाराणसी दूरदर्शन प्रसारण बंद होने से पूर्वांचल के लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा बनारस एवं आसपास से जुड़ी गतिविधियां, समसामयिक, कला संस्कृति, किसानों से जुड़े मुद्दे, सरकार से जुड़ी योजनाओं से आमजनमानस वंचित है। आमजनमानस की मांग पर भाजपा कार्यकर्ता अरविन्द मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजकर दो माह से बंद पड़े दूरदर्शन के पुनः प्रसारण की मांग की है। इसके लिए पीएमओं को पत्र भी सौंपा गया है। इसकी प्रति सूचना एवं प्रसारण मंत्री, भारत सरकार प्रकाश जावेडकर को भी भेजा गया है।

पत्र में मिश्रा ने कहा है कि सांस्कृतिक विरासत को देश के सुदूर गांव में बैठे लोगों तक पहुचाने का सशक्त माध्यम दूरदर्शन वाराणसी रहा है। मगर लगभग डेढ़दो माह से दूरदर्शन वाराणसी केंद्र को बंद कर दिया गया है। जबकि पूरी दुनिया की नजर बनारस की गतिविधियों पर लगी रहती है। दुनिया के तमाम राष्ट्राध्यक्ष आपके नेतृत्व में काशी आये। इससे

काशी का मान दुनिया के मानचित्र पर पुरातन संस्कृति वाले शहर के साथ ही आधुनिक बनारस के रूप में जाना जाने लगा है। मगर वाराणसी दूरदर्शन केंद्र से प्रसारण बन्द होने के कारण बनारस एवं आसपास से जुड़ी गतिविधियां, समसामयिक, कला संस्कृति किसानों से जुड़े मुद्दे, सरकार से जुड़ी योजनाएं एवं सरकार से जुड़ी गतिविधियों का प्रसारण नहीं हो पा रहा है। प्रधानमंत्री, हम काशीवासियो को इस बात का गर्व है कि हम सभी आपके संसदीय क्षेत्र में रहते है। इस संसदीय सीट पर पूरी दुनिया की नजर लगी हुई है। ऐसे में वाराणसी दूरदर्शन से प्रसारण का बंद होना काशी के लोगों के लिए एक बड़ा झटका और कष्टप्रद है। काशी के सांस्कृतिक विरासत को गांव में आमजन तक पहुंचाने का जो माध्यम था वह कड़ी टूट गई है। समस्त काशीवासियों का आपसे अनुरोध है फिर दूरदर्शन वाराणसी केंद्र से सुबह 8:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे के बीच कम से कम 2 घंटे प्रसारण पुनः शुरू किया जाए। साथ ही इसे लखनऊ दूरदर्शन से जोड़ते हुए सारे डीटीएच प्लेटफॉर्म से जोड़ दिया जाए। जिससे यहां की सांस्कृतिक, शैक्षणिक सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का प्रसारण हो सके।

कोरोना से स्वस्थ हो चुके लोग उचित जांच कराके प्लाज्मा दान करने के लिए आगे आएंः कुलबीर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

करनाल। हरियाणा वीर एवं शहीदी दिवस पर राजीवपुरम गली संख्या 4 महालक्ष्मी डेयरी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में भारतीय रैड क्रास सोसायटी जिला सचिव कुलबीर सिंह मलिक मुख्य अतिथि के रूप में पधारे जबकि पार्षद परमजीत लाठर और पूर्व सरपंच सुरेश लाठर विशिष्ट अतिथि रहे। शिविर की अध्यक्षता स्टार रक्तदाता नरेश खिप्पल ने की। 303वे शिविर के मुख्य संयोजक राष्ट्रपति पुलिस पदक से विभूषित राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ अशोक कुमार वर्मा और सहयोगियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। मुख्यातिथि पधारे कुलबीर सिंह मलिक ने कहा कि सभी को निरंतर रक्तदान करते रहना चाहिए ताकि थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों को रक्त की कमी न हो. उन्होंने कहा कि कवीड 19 के चलते करनाल जिला में प्रत्येक दिन 3 से 4 लोगों की मृत्यु हो रही है।

सभापति निलंबित सांसदों की सदस्यता समाप्त करेंः पतविंदर सिंह

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

प्रयागराज। निलंबित संसद सदस्यों की सदस्यता राज्यसभा से समाप्त की जाए और अमर्यादित आचरण करने वाले राज्यसभा के आठ संसद सदस्यों की सदस्यता समाप्त की जाए। समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह ने यह मांग राज्यसभा सभापति वेंकैया नायडू को रजिस्ट्री प्रार्थना पत्र भेजते हुए मांग की है ।

समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि सांसदों के निलंबित होने के बावजूद भी सांसद सदस्यों ने सदन छोड़ने से इंकार कर दिया और कार्रवाई में बाधा पहुंचाई सदस्यों का व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण शर्मनाक व घोर निंदनीय है हंगामा करने वालों ने संसद की गरिमा,खासकर उच्च सदन की छवि धूमिल की है। समाजसेवी सरदार

पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि जो हुआ वह संसदीय इतिहास में पहले कभी ना सुना था, ना पढ़ा था माइक तोड़े गए,रूल बुक फाडी गई, सांसदों को चोट आई, मार्शल के साथ हाथापाई की गई और सभापति के आसन पर हमला किया गयाद्य शर्मनाक और गैर जिम्मेदार निलंबित आठ सदस्यों ने कार्रवाई के बावजूद सदन न छोड़कर नियम तोड़ा है।

निलंबित सदस्यों का सदन से न निकलना खुलेआम नियमों का उल्लंघन है इसलिए सभापति को इन आठ संसद सदस्यों की सदस्यता समाप्त कर देनी चाहिए। जिससे भविष्य में कोई ऐसा कार्य करने की हिम्मत ना कर सके ।समाजसेवी सरदार पतविंदर सिंह ने अंत में कहा कि सदस्य उपसभापति की व्यवस्था से संतुष्ट नहीं थे तो उन्हें अपनी बात नियम के तहत और संसदीय गरिमा में रहकर ही करनी चाहिए थी।

केरल के सीएम विजयन ने लाइफ मिशन परियोजना की जांच के आदेश दिए

तिरुवनंतपुरम, 23 सितंबर। केरल में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सरकार ने आखिरकार, करीब दो महीने के बाद बुधवार को लाइफ मिशन परियोजना की सतर्कता जांच का आदेश दिया। विजयन के लिए, लाइफ मिशन परियोजना 2016 में पद ग्रहण करने के बाद से उनकी चहेती परियोजना रही है।

यह बेघर और भूमिहीन लोगों के लिए प्रायोजकों से धन का उपयोग करके घर बनाने के बारे में है और राज्य सरकार की भूमिका केवल भूमि प्रदान करने की थी। हालांकि, परियोजना तब मुश्किल में पड़ गई, जब त्रिशूर के वडक्कानचेरी के कांग्रेस विधायक अनिल अक्कारा ने पहली बार अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक बिल्डिंग प्रोजेक्ट में हुए गलत कामों के बारे में सवाल उठाया, जिसे यूएई स्थित चैरिटी संगठन रेड क्रीसेंट के फंड से मंजूरी दी गई थी। जब से अक्करा ने यह मामला उठाया, तब से विजयन यह कहते हुए बचाव करते नजर आ रहे हैं कि जमीन सौंपने के अलावा परियोजना में राज्य सरकार की कोई और भूमिका नहीं है। लेकिन, अब केरल में सोना तस्करी की मुख्य आरोपी स्वप्ना सुरेश को जुलाई में बेंगलुरु से एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए जाने और उसके एक लॉकर से एक करोड़ रुपये की वसूली के बाद, चीजें बदलने लगीं। माकपा के राज्य सचिव के बेटे बिनेश कोडियरी पर भी संदेह व्यक्त किया गया जिनसे प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ भी की, मामले में जो कुछ सुना जा रहा था, यह उससे कहीं अधिक था। यह विशेष परियोजना यूएई काउंसलेट के माध्यम से कराई गई थी, जहां स्वप्ना और एक अन्य गिरफ्तार शख्स पी. एस. सरिथ दोनों काम किया करते थे।

‘वर्चुअल आजा नच ले’ 20-20 डांस प्रतियोगिता

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। अखिल मुंबई जायसवाल सभा के तत्वावधान में ‘वर्चुअल आजा नच ले’ = 20 20 डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त स्पर्धा में पंजीयन से लेकर कार्यक्रम के अंत तक सभी एक्टिविटी वर्चुअल तरीके से कराया गया। प्रतियोगिता में कुल 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें यूपी के वाराणसी, आजमगढ़, प्रयागराज के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, उड़ीसा दिल्ली देशविदेश के कोनेकोने से बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को कुल चार राउंड से गुजरना था। अंत में सभी विजेताओं को ऑनलाइन प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जायसवाल ने बताया कि पहली बार अखिल मुंबई जायसवाल सभा के बैनरतले ऑनलाइन टेलीग्राम प्लेटफार्म पर ‘वर्चुअल आजा नच ले’ = 20 20 डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जायसवाल, कलवार, कलाल और कल्चुरी समाज के बच्चियों एवं महिलाओं ने हिस्सा लिया। 1 अगस्त 2020 से 20 सितंबर 2020 तक 50 दिन के इस कार्यक्रम में देश

विदेश के 2500 से अधिक कलचुरी समाज के लोगों ने जुड़कर कोरोना जैसी महामारी को भूलभालकर कार्यक्रम का पूरी तरह से आनंद लिया। वर्चअुल तकनीकी विशेषज्ञ छाया जायसवाल ने बताया कि इस ऑनलाइन प्लेफॉर्म पर नृत्य प्रतियोगिता करना एक चुनौतीपूर्ण काम था, लेकिन उन्होंने सारे तकनीकी बारीकियों को ध्यान में रखते हुए बहुत ही जिम्मेदारी से सुचारु रूप से कार्यक्रम को संपन कराया। प्री प्रायमरी से सेमीफाइनल व फाइनल तक के सभी प्रतिभागियों ने अपने अभिनय का प्रदर्शन करते एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। प्रतियोगिता के अंत में विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में लतिका परेता एवं तनुश्री परेता कोटा राजस्थान, यशी जायसवाल एवं आयुशी जायसवाल प्रयागराज, आयुशी अरुन जायसवाल वर्ली मुंबई, सांची जायसवाल मलाड़ मुंबई, सूर्यांश जायसवाल मलाड मुंबई, क्रिस्टी गुप्ता वीरार मंबई, अदिति गुप्ता डोम्बीवली मुंबई, अवनी राय भोपाल मध्य प्रदेश, सानवी गुप्ता थाना मुंबई, सुभि धनेता जयपुर राजस्थान, शिवा जायसवाल आजमगढ़ यूपी, प्रियांश धनेता जयपुर राजस्थान, रुपाली डहरवाल भीवाड़ी राजस्थान, पीनल जायसवाल गांधीनगर गुजरात एवं नम्रता गुप्ता थाना मुंबई विजेता रही।

भजनपुरा में भागवत के लिए निकाली गई कलश यात्रा

नई दिल्ली। कोरोना काल में प्रशासन द्वारा मिल रही ढील के चलते अब धीरेधीरे धार्मिक गतिविधियां होनी शुरू हो रहीं हैं। हालांकि बड़े स्तर पर तो अभी कार्यक्रम शुरू नहीं हो पा रहे हैं लेकिन छोटे स्तर पर आयोजनों की शुरुवात होनी शुरू हो गई है। भजनपुरा मे श्रीमद भागवत कथा का आयोजन बेबे नानकी धर्मशाला मे किया जा रहा है। इसी उपलक्ष्य मे आज भजनपुरा मेन मार्केट से होते हुए भव्य कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य यजमान अरूण त्रिपाठी संगीता त्रिपाठी व रेखा रानी पूर्व निगम पार्षद और काफी संख्या मे महिलाओ ने कलश यात्रा मे भाग लिया। कोरोना महामारी के चलते सभी ने मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया। लगातार तीसरे साल यहां श्रीमद्भागवत कथा आयोजित हो रही है। सभी क्षेत्रवासी इसमें बढ़चढ़ क्र भाग लेते है। कोरोना के चलते सबसे आग्रह किया गया है । भागवत कथा के दौरान सभी मास्क लगाकर आएं तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अवश्य करें। भव्य कलश यात्रा के समापन के बाद भजन कीर्तन के उपरांत सभी को प्रसाद भी वितरित किया गया।

भारतीय सेना के पराक्रम से खौफ में चीन लद्दाख पर तैनाती हुई तो रोने लगे चीनी!

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली /बीजिंग। सीमा पर भारतीय सेना का पराक्रम देखकर चीनी सैनिक बुरी तरह घबराये हुए हैं। आलम यह है कि सीमा पर तैनाती के नाम से ही उनके आंसू निकलने लगते हैं। सोशल मीडिया पर चीन के सैनिकों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे रोते हुए नजर आ रहे हैं। दावा किया गया है कि ये सैनिक भारत सीमा पर अपनी पोस्टिंग होने के चलते दुखी हैं। ताइवान न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वीडियो को पहले चीनी सोशल मीडिया वीचैट पर पोस्ट किया गया था, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया।

यह वीडियो फूयांग रेलवे स्टेशन जाते समय बस में शूट किया गया है। सेना में भर्ती हुए इन जवानों को ट्रेनिंग के बाद भारत से लगी सीमा पर तैनाती के लिए भेजा जा रहा था। वीडियो में चीनी सैनिक रोते हुए चीनी सेना **PLA** का गीत ‘ग्रीन फ्लॉवर्स इन द आर्मी’ गाते दिखाई दे रहे हैं। ताइवान न्यूज के मुताबिक, वीडियो को पहली बार फूयांग सिटी वीकली के वीचैट पेज पर पोस्ट किया गया था, मगर बेइज्जती के डर से जल्दी हटा दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी

कॉमेडियन जैद हामिद ने भी इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया था। हामिद ने चीनी सेना पर तंज कसते हुए कहा था कि चीन की एक बच्चे वाली नीति के चलते हमारे चीनी भाइयों का प्रेरणा स्तर गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। लद्दाख में भारतीय सेना लगातार चीन को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। हाल ही में चीनी सैनिकों की घुसपैठ की कोशिश को भी उसने नाकाम किया था। इस घटना के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अपने सैनिकों से नाराज होने की खबरें भी सामने आई थीं। शी इस बात से नाराज थे कि चीनी सेना भारतीय फौजियों को देखकर पीछे क्यों हट गए। मालूम हो कि पैंगोंग झील के दक्षिणी हिस्से में भारतीय सेना ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण कई चोटियों पर कब्जा कर लिया है। हमारी सेना के पराक्रम से चीनी सैनिक खौफ में हैं, इसलिए वह आमनेसामने के टकराव से बच रहे हैं।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

बेंगलुरु हिंसा: SDPI पदाधिकारियों से पूछताछ करेगी एनआईए

बेंगलुरु। बेंगलुरु हिंसा मामले में जांच को गंभीरता से लेते हुए, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) 'सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया' (एसडीपीआई) के नेता मुजम्मिल पाशा और उनके निकट सहयोगियों से पूछताछ करने के लिए तैयार है, इन पर भीड़ को उकसाने का आरोप है, जिसके बाद हिंसा भड़की थी। एनआईए के एक बयान के अनुसार, पाशा ने एक बैठक बुलाई थी और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और एसडीपीआई के सदस्यों को भीड़ को भड़काने और हिंसा के लिए उकसाने का निर्देश दिया था। बयान में कहा गया, 'भीड़ ने बेंगलुरु में डीजे हल्ली, केजी हल्ली और पुलकेशी नगर इलाके में तोड़फोड़ की थी। भीड़ ने दो पुलिस स्टेशनों जैसे डीजे हल्ली और केजी हल्ली पर हमला किया और सरकारी और निजी वाहनों सहित पुलिस थानों की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।' एक अधिकारी ने आगे कहा कि भीड़ ने पुलिस थानों पर हमला करने से पहले पुलकेशी नगर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति के घर पर भी हमला किया, इसलिए पाशा से पूछताछ होगी। गौरतलब है कि कवलब्यासंद्र में कांग्रेस विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति (पुलकेशी नगर निर्वाचन क्षेत्र) के घर के सामने 1,000 से अधिक लोगों की भीड़ एकत्र हो गई थी।

पटना की सड़कों पर नीतीश पर निशाना साधते लगे पोस्टर

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले राजनीतिक दलों में जुबानी जंग तो प्रारंभ है ही, इसके अलावा राजनीतिक दल एकदूसरे पर हमला करने के लिए पोस्टर का भी सहारा ले रहे हैं। पटना की सड़कों के किनारे बुधवार को कई पोस्टर लगाए गए है, जो आनेजाने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

यह पोस्टर किसने लगाया है इसका उल्लेख तो इस पोस्टर में नहीं किया गया है, लेकिन इस पोस्टर के जरिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा गया है। पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर है। पोस्टर में प्रधानमंत्री को यह कहते दिखाया गया है, नीतीश कुमार के डीएनए में ही गड़बड है। मारते रहे पलटी, नीतीश की हर बात कच्ची। इसके अलावा एक और पोस्टर लगाया गया है। इस पोस्टर में भी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की तस्वीर है। जिसमें बिहार की जनता को यह बोलते दिखाया गया है कि भाजपा को तो बिहार की जनता विपक्ष में बैठाई थी, फिर आप सत्ता में कैसे पहुंच गए। उल्लेखनीय है कि इसके पहले सत्ता पक्ष के समर्थन में लगाए गए पोस्टरों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके परिवार को बिहार पर भार बताते हुए तंज कसा गया था।

पति की हत्या कर शव बेड में छिपाया

जयपुर। राजस्थान के चुरू जिले के गांव सांखणताल में एक महिला ने रोज रोज के झगड़े से तंग आकर पति की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी और शव बेड में छिपा दिया। करीब 24 घंटे बाद महिला ने खुद ही पुलिस को फोन कर इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलने पर हमीरवास थानाधिकारी सुभाषचंद्र पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक के घर पर ही शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। मृतक के बड़े भाई की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। एसएचओ सुभाष चंद्र के अनुसार अशोक कुमार पुत्र बेगराज जाट निवासी सांखणताल ने रिपोर्ट दी कि वे तीन भाई हैं। निर्मल (34) सबसे छोटा था। निर्मल की शादी वर्ष 2011 में नीरज पुत्री देवकरण जाट निवासी झेरली के साथ हुई थी। तीनों भाई अलगअलग रहते थे। वह और अनिल गांव में रहते हैं और पिता, निर्मल व उसकी पत्नी नीरज खेत में ढाणी बनाकर रहते हैं। निर्मल व उसकी पत्नी नीरज के बीच आए दिन झगड़ा होता था। करीब 10 दिन पहले नीरज अपने पति से झगड़ा कर पीहर चली गई थी। दूसरे दिन नीरज का भाई दिनेश उसे ढाणी छोड़कर गया था। मंगलवार सुबह वह और गांव के लोग खेत में बनी ढाणी में आए तो देखा कि उसके भाई निर्मल का शव कमरे में फर्श पर पड़ा था। उसके गले पर रस्सी के निशान थे। पिता से पूछा तो बताया कि निर्मल व उसकी पत्नी नीरज 20 सितंबर की रात को आपस में झगड़ा कर रहे थे।

लोकसभा में प्रधानमन्त्री मोदी के आते ही लगे भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । कोरोना वायरस महामारी से जुड़े दिशा निर्देशों का पालन करते हुए बुधवार को संसद के मॉनसून सत्र का समापन हुआ। मॉनसून सत्र के अंतिम दिन लोकसभा की कार्यवाही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मास्क पहनकर शामिल हुए। जिस दौरान पीएम मोदी संसद में पहुंचे उसी समय सदन में भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे लगने शुरू हो गए।

जिसके बाद उन्होंने शालीनता से हाथ जोड़ सभी का अभिवादन स्वीकार किया। सत्र के अंतिम दिन लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने मॉनसून सत्र को ऐतिहासिक करार दिया। 17 वीं लोकसभा के मॉनसून सत्र के आखिरी दिन पीएम मोदी भी सदन कार्यवाही में शामिल हुए। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए पीएम मोदी मास्क लगाकर सदन की कार्यवाही में शामिल हुए। इस दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने बताया कि सदन के इस मॉनसून

सत्र में कार्य उत्पादकता के मामले में सदन ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कोरोना महामारी के दौरना लोकसभा में कार्य उत्पादकता में 167 प्रतिशत की रेकॉर्ड बढ़ोत्तरी हुई। वहीं अब सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थिगित कर दी गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोरोना वायरस महामारी के बीच मानसूत्र सत्र के आयोजन को कई अर्थों में 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा कि ऐसी परिस्थिति में भी सदस्यों के सक्रिय सहयोग और सकारात्मक भागीदारी के कारण निचले सदन ने कार्य उत्पादकता के नये कीर्तिमान स्थापित किये जो 167 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि यह अन्य सत्रों से अधिक रही। सकारात्मक भागीदारी के कारण ये सत्र अन्य सत्रों की तुलना में अधिक सफल रहा।

लोकसभा अध्यक्ष ने बताया कि 14 सितंबर से शुरू हुए मानसून सत्र के दौरान लोकसभा की 10 बैठकें बिना अवकाश के हुईं जिनमें निर्धारित कुल 37 घंटे की तुलना में कुल 60 घंटे की कार्यवाही संपन्न हुई। इस तरह सभा की कार्यवाही निर्धारित समय से 23 घंटे अतिरिक्त चली।

उन्होंने कहा कि सत्र में 68 प्रतिशत समय में विधायी कामकाज और शेष 32 प्रतिशत में गैर विधायी कामकाज संपन्न हुआ। कृषि सेवा पर करार विधेयक2020 तथा उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 से संबंधित विधेयकों समेत कुल 25 विधेयक पारित हुए।

पंजाब में किसानों के ट्रेन रोको आंदोलन के मद्देनजर 14 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें रद्द

(विशेष संवाददाता)

चंडीगढ़, 23 सितंबर । पंजाब के किसानों ने 24 सितम्बर से 26 सितम्बर के बीच ट्रेन रोकने का ऐलान किया है। इसके मद्देनजर फिरोजपुर मंडल में इस अवधि में 14 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का संचालन रद्द किया गया है। फिरोजपुर मंडल रेल प्रबंधक राजेश अग्रवाल ने बताया कि इस सम्बन्ध में आज मंडल कार्यालय, फिरोजपुर में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें डिप्टी कमिश्नर फिरोजपुर गुरपाल सिंह चहल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजपुर भूपिंदर सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक सुखविंदर सिंह, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आशीष कुमार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में रेल एवं यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया गया कि फिरोजपुर मंडल से चलने वाली सभी स्पेशल यात्री रेलगाड़ियों का संचालन 24 सितम्बर की सुबह

6 बजे से रद्द कर दिया गया है। मालगाड़ियों का संचालन परिस्थितियों के अनुसार किया जाएगा। फिरोजपुर मंडल द्वारा वर्तमान में यात्रियों की सुविधा के लिए 14 जोड़ी स्पेशल यात्री गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। सभी रद्द की गई यात्री गाड़ियों का विवरण इस प्रकार है, जिसमें 02903/02904 अमृतसरमुंबई सेंट्रल, 02357/02358 अमृतसर कोलकाता, 02407/02408 अमृतसरन्यू जलपाईगुडी, 02925/02926 अमृतसर बांद्रा टर्मिनस, 02715/02716 अमृतसर हजूर साहिब नांदेड, 02053/02054 अमृतसर हरिद्वार, 04673/04674 अमृतसर जयनगर, 04649/04650 अमृतसर जयनगर, 02425/02426 जम्मूतवीनई दिल्ली, 05933/05934 अमृतसरडिब्रूगढ़, 03307/03308 फिरोजपुर कैंट धनबाद, 04653/04654 अमृतसर न्यू जलपाईगुडी, 04651/04652 अमृतसरजयनगर और 09025/09026 अमृतसरबांद्रा टर्मिनस शामिल हैं।

1 साल की बेटी को दूसरी मंजिल से फेंक भागे पति-पत्नी

(विशेष संवाददाता)

अहमदाबाद। गुजरात के सूरत में मातापिता के बीच हुए झगड़े की सजा एक साल की मासूम बच्ची को भुगतनी पड़ी। पत्नी से हुए झगड़े के दौरान पति ने गुस्से में आकर बेटी को घर की दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। पड़ोसियों ने बच्ची के गिरने की आवाज सुनी तो उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। गंभीर रूप से घायल मासूम जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। वहीं, आरोपी पिता फरार हो गया है और मां मायके चली गई। शहर के मान दरवाजा के पास स्थित कॉलोनी में रहने वाला भाविन सोनवणे को अपनी पत्नी कामिनी के चरित्र पर संदेह है। इसे लेकर आए दिन दोनों के बीच झगड़ा होता है। मंगलवार दोपहर को भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ। इससे नाराज होकर कामिनी अपने मायके जाने के लिए निकल गई। कामिनी के जाते ही भाविन अपना आपा खो बैठा और उसने कमरे में सो रही एक साल की बेटी को गोद में उठाया और बाल्कनी से नीचे फेंककर घर से फरार हो गया। पड़ोसियों ने बच्ची को अस्पताल में भर्ती करवाया और कामिनी के परिवार को सूचना दी। कामिनी ने भाविन के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करवाया है।

कामिनी के भाई विकास ने बताया कि भाविन और कामिनी ने लव मैरिज की थी। शादी के लिए दोनों घर से भाग गए थे और कामिनी के परिवार ने इसका मामला भी दर्ज करवाया था। हालांकि, दोनों की शादी और बेटी के जन्म के बाद परिवार ने दोनों को स्वीकार कर लिया था। विकास ने आगे कहा कि शादी के कुछ महीनों बाद ही भाविन, कामिनी के चरित्र पर शक करने लगा था। इस बात को लेकर वह कामिनी के साथ आए दिन मारपीट करता था।

कृषि क्षेत्र के सुधारों से आयेंगे क्रांतिकारी बदलाव

किसानों की बढ़ेगी आय और फायदा होगा: कृषि विशेषज्ञ

(विशेष संवाददाता)

बेंगलुरु 23 सितंबर । कृषि क्षेत्र में सुधारों के लिये लाये गये विधेयकों से कृषि उपज के विपणन कारोबार क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आयेंगे और इनका किसानों को फायदा होगा। इससे आढ़तियों, महाजनों और बाजार कारोबारियों की जो धेराबंदी होती है उसे तोडने् में मदद मिलेगी। कृषि क्षेत्र के एक विशेषज्ञ का ऐसा मानना है।

सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव संस्थान के पूर्व निदेशक, प्रो आर. एस. देशपांडे ने कहा कि किसान अब क्रेता के साथ तय किये गये मूल्य पर, देश के किसी भी बाजार में अपनी ऊपज बेच सकेगा। किसान जिस भाव पर सौदा करेगा उससे निश्चित ही उन्हें फायदा होगा और बाजार मार्जिन का बड़ा हिस्सा उनकी जेब में आ सकेगा जो कि इससे पहले व्यापारियों के पास चला जाता था। वर्ष 1998 और वर्ष 2008 के बीच

कृषि विकास और ग्रामीण रुपांतरण केंद्र (एडीआरटीसी) के प्रमुख रहे देशपांडे ने कहा, यह मान लेना पूरी तरह से गलत होगा कि खरीदार केवल कॉर्पोरेट सेक्टर होंगे और कोई अन्य नहीं होगा।'' एडीआरटीसी में, उन्होंने किसान एट द मिलेनियम' पर एक विस्तृत अध्ययन का संचालन किया और कई शोध कार्य पूरे किए। वह कर्नाटक सरकार और केंद्रीय कृषि मंत्रालय दोनों के लिए नीतिगत समर्थन देने वाले अकादमिक रहे हैं। उन्होंने कहा, यह लंबे समय से लंबित सुधार था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास ही इसे करने की हिम्मत थी।'' उन्होंने कहा कि 1960 के दशक के मध्य से कृषि बाजारों की खामियों की समस्याओं पर चर्चा की जाती रही है और यह पाया गया कि सुधारों को अंजाम देने की तत्काल आवश्यकता है।

देशभांडे ने कहा कि 1991 के बाद जो आर्थिक सुधार हुये उनमें कृषि बाजारों को छोड़ दिया गया और ये दलालों और बिचौलियों के चंगुल में ही फंसे रहे। देशपांडे ने कहा, कृषि उत्पादों के विपणन क्षेत्र में सुधार लंबे समय से लंबित थे। इन विधेयकों के पारित होने और अमल में आने से प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पाद विपणन समितियों (एपीएमसी) से लेकर उपभोक्ता तक उत्पाद के पहुंचने के बीच वास्तव में 50 प्रतिशत से लेकर 3,000 प्रतिशत तक का मार्जिन रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुये कहा कि कोई किसान जब प्याज मंडी में ढाई रुपये किलो के भाव बेचता है तो उपभोक्ता को वह 30 से 50 रुपये किलो के दायरे में उपलब्ध होता है। उन्होंने कहा, साधारण सा गणित है कि 100 लाख टन गेहूं की भारतीय खाद्य निगम द्वारा खरीद किये जाने पर कमीशन एजेंटर को 6480 लाख रुपये का कमीशन बनता है।'' अब किसानों को केवल मंडी में अपना माल बेचने की मजबूरी नहीं होगी, ऐसे में आढतियों और व्यापारियों का शिकंजा कुछ ढीला पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों का फायदा मिलने में कुछ समय लगेगा।

अब असम बनेगा कैंसर रोगियों के इलाज की सुविधा का केंद्र

नई दिल्ली, 23 सितंबर (वेबवार्ता)। देश में कैंसर के रोगियों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण और इसके उपचार के दायरे को बढ़ाने के केन्द्र सरकार के उपायों को गति प्रदान करने में पंजाब के बाद अब पूर्वोत्तर में असम ने सक्रियता दिखाई है।

संसद की एक स्थायी समिति ने कैंसर के उपचार में परमाणु ऊर्जा विभाग की व्यापक भूमिका से संबंधित रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसके अनुसार उत्तर और पूर्वोत्तर राज्यों में पिछले कुछ सालों के दौरान कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर सरकार ने कैंसर उपचार का नेटवर्क व्यापक करते हुए मुंबई स्थित टाटा स्मारक केन्द्र के साथ मिलकर संचालित किये जा रहे राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड का दायरा बढ़ाया है।

हब एंड स्पॉक मॉडल के दायरे में असम के 17 अस्पतालों का बहुस्तरीय नेटवर्क बनाया गया है। ग्रिड के अंतर्गत असम में संचालित राज्य कैंसर संस्थान इन सभी 17 अस्पतालों में कैंसर उपचार की सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने की निगरानी करेगा। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा संसद के पिछले सत्र में पेश रिपोर्ट के अनुसार अभी पंजाब एकमात्र राज्य है जिसमें हब एंड स्पॉक मॉडल पूरी तरह प्रचलन में है। परमाणु ऊर्जा विभाग और टाटा स्मारक केन्द्र द्वारा संचालित एनसीजी के अंतर्गत कैंसर रोगियों को उनके शहर के आसपास ही कैंसर की पहचान, शुरुआती सामान्य इलाज और कम जटिल श्रेणी की देखभाल सुविधा मुहैया कराने के लिये स्थानीय स्तर पर हब बनाये गये हैं। इसके समानांतर जटिल एवं उच्च गुणवत्ता वाले इलाज के लिये राज्य स्तर पर बनाये गये उपचार केन्द्र को 'स्पॉक' कहा जाता है। पंजाब में हब एंड स्पॉक के तहत टाटा स्मारक केन्द्र की भागीदारी में पिछले दो साल से चंडीगढ़ के पास मुल्लानपुर और संगरुर में दो स्पॉक संचालित हैं। संगरूर स्पॉक में हर साल औसतन 8000 मरीजों का इलाज किया जाता है। इसके अलावा राज्य में छह अन्य स्थानों फरीदकोट, भटिंडा, पटियाला, अमृतसर, फाजिल्का और होशियारपुर में स्पॉक की शुरुआत हो गयी है।

एलएसी पर चीन की रखवाली करेंगे अमेरिकी रीपर ड्रोन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 सितंबर। लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन से तनाव के बीच भारत ने अमेरिका से 30 जनरल एटॉमिक्स एमक्यू9ए रीपर ड्रोन खरीदेगा। यह सौदा लगभग 3 बिलियन डॉलर यानी 22 हजार करोड़ रुपये का होगा। सौदे के पहले चरण में छह ड्रोन तत्काल एकमुश्त नगद भुगतान करके खरीदे जायेंगे। मौजूदा जरूरतों को देखते हुए फिलहाल दोदो ड्रोन तीनों सेनाओं को दिए जायेंगे। यह सौदा चीन से तनाव के चलते जल्द से जल्द पूरा किये जाने की तैयारी है क्योंकि इन्हें ड्रैगन की रखवाली के लिए तैनात किया जाना है। बाकी 24 ड्रोन अगले तीन वर्षों में हासिल कर लिए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने आंतरिक बैठकों के बाद छह रीपर मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस ड्रोनों की खरीद का रास्ता साफ कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि सेनाओं को कुल 30 ड्रोन की जरूरत है, इसलिए रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की अगली बैठक में इसकी मंजूरी का प्रस्ताव प्रमुखता से रखा जाएगा। इस अनुबंध को दो भागों में बांटकर लगभग 600 मिलियन डॉलर (4,400 करोड़ रुपये) के छह एमक्यू9ए ड्रोन अगले कुछ महीनों में

नगद पैसे देकर खरीदे जाएंगे। इसी में से 22 ड्रोन सेना, वायुसेना और नौसेना को दिए जायेंगे। इसके बाद बाकी 24 ड्रोन एक अनुबंध के तहत अगले तीन वर्षों में हासिल कर लिए जाएंगे जिसमें से तीनों सेनाओं को 8 8 ड्रोन फिर दिए जाएंगे।अमेरिका से तुरंत खरीदे जाने वाले छह ड्रोन को हेलफायर मिसाइलों और अन्य एयरटू ग्राउंड मिसाइल से लैस किया जाएगा या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि यह सौदा पिछले तीन वर्षों से लंबित है। 2017 में यह अत्याधुनिक ड्रोन सिर्फ भारतीय नौसेना के खरीदे जाने थे लेकिन बाद में इसे तीनों सेनाओं के लिए खरीदने का फैसला लिया गया। तब अमेरिकी सरकार ने 2018 में भारत को एमक्यू9 के सशस्त्र संस्करण बेचने की मंजूरी भी दे दी थी।रक्षा मंत्रालय द्वारा हार्डवेयर की खरीद के लिए स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) औपचारिक रूप से पहला कदम है। इस तरह के खरीद मामलों को अनुबंध में बदलने की प्रक्रिया में आमतौर पर कई साल लग जाते हैं लेकिन चीन से तनाव के चलते मौजूदा जरूरतों को देखते हुए एमक्यू 9ए ड्रोन की खरीद जल्द पूरी कर ली जाएगी। भारत सरकार इसे अमेरिकी सरकार के साथ समझौते के तहत फास्टट्रैक के जरिए खरीदेगी।

सुशांत केस: मुंबई में बारिश के चलते रिया और शौविक की जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

मुंबई, 23 सितंबर (वेबवार्ता)। सुशांत सिंह राजपूत मौत से जुड़े ड्रग्स केस में जेल में बंद रिया चक्रवर्ती की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मुंबई में मूसलाधार बारिश की वजह से रिया चक्रवर्ती और भाई शौविक चक्रवर्ती की जमानत याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट में आज सुनवाई नहीं होगी। दरअसल, रिया चक्रवर्ती और शौविक ने मंगलवार को हाईकोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की थी, जिस पर आज सुनवाई होनी थी, मगर बारिश की वजह से हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने एक दिन की छुट्टी का ऐलान कर दिया है, जिसकी वजह से अब इस पर कल सुनवाई होगी। रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे ने यह जानकारी दी।

रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे ने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने शहर में गंभीर जलभराव के बाद हाईकोर्ट के लिए आज अवकाश घोषित किया है। आज की सुनवाई कल होगी। बता दें कि बता दें कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 8 सितंबर को रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया था और पिछले 14 दिनों से वह मुंबई की भायखला जेल में बंद हैं। उधर, मंगलवार को विशेष एनडीपीएस अदालत ने रिया चक्रवर्ती की जमानत याचिका खारिज कर दी और उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विशेष अदालत ने मंगलवार को अभिनेत्री की न्यायिक हिरासत की अवधि छह अक्टूबर तक बढ़ा दी है। रिया चक्रवर्ती की जमानत याचिका खारिज करते हुए विशेष अदालत ने कहा था कि वह उन लोगों को 'सतर्क' कर सकती है, जिनका नाम उसने एनसीबी के समक्ष दिये बयान में लिया है। सुशांत सिंह राजपूत के सहायक सैमुअल मिरांडा के साथ एनसीबी ने शौविक को पांच सितंबर को दिवंगत अभिनेता के लिए ड्रग्स हासिल करने और उसके लिए पैसे देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने 11 सितंबर को शौविक, मिरांडा और मामले के अन्य आरोपियों द्वारा दायर जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। बाद में मिरांडा, राजपूत के निजी सहायक दीपेश सावंत और कथित ड्रग डीलर अबु बासित परिहार ने जमानत के लिये उच्च न्यायालय का रुख किया था।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सार्वभौम स्वास्थ्य देखभाल की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: हर्षवर्धन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 23 सितंबर । केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की दूसरी वर्षगांठ पर आरोग्य मंथन 2.0 की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मंत्रालय के राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चैबे भी उपस्थित रहे। डॉ. हर्षवर्धन ने योजना को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है, जो सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के 53 करोड़ से अधिक भारतीयों को प्रतिवर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा प्रदान कर उन्हें माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल के अंतर्गत अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा दे रही है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर लगभग 6 करोड़ परिवार गरीबी रेखा से नीचे के हैं, जिनमें आधी महिलाएं हैं। इन दो वर्षों में इस योजना के अंतर्गत 1.26 करोड़ लाभार्थियों का निःशुल्क उपचार किया गया है। इस योजना में 23,000 से अधिक अस्पताल सूचीबद्ध हैं और अब तक 12.5

करोड़ ईकार्ड जारी किए गए हैं। योजना के तहत इस्तेमाल की गई कुल राशि का 57 प्रतिशत कैंसर, हृदय रोग, हड्डी रोग और नवजात शिशु रोग जैसी प्रमुख बीमारियों के उपचार के लिए खर्च किया जाता है। डॉ. हर्ष वर्धन ने कहा कि देश में 1,50,000 स्वास्थ्य आरोग्य केन्द्र स्थापित कर रहे हैं। देशों में सार्वभौम देखभाल का लक्ष्य हासिल करना आसान हो सकता है, लेकिन भारत जैसे विशाल देश में यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसे हम बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सूचीबद्ध अस्पतालों में 45 प्रतिशत निजी अस्पताल है, जहां कुल उपचार 52 प्रतिशत कार्य किया जाता है और इन अस्पतालों में कुल दाखिलों का 61 प्रतिशत भाग बनता है। डॉ. हर्ष वर्धन ने इस योजना का लाभ देश के किसी भी भाग में प्राप्त करने की विशेषता का उल्लेख किया। साथ ही एबीपीएमजेएवाई एंटीफ्रॉड फ्रेमवर्क प्रेक्टिशनर गाइड बुक का भी विमोचन किया। एजेंसियों को धोखाधड़ी की रोकथाम, पता लगाने और नियंत्रण के लिए कारगर उपाय करने में सहायता मिलेगी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस वर्ष इस बात का फोकस किया जाएगा कि पीएमजेएवाई नेटवर्क आबादी के उन ऐसे समूहों को उपचार सुविधाएं प्रदान कर सके।

मुख्यमंत्री ने हाई रिस्क ग्रुप को कोविड के टेस्ट कराने के निर्देश दिए

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 23 सितम्बर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाई रिस्क ग्रुप को लक्षित करते हुए ज्यादा से ज्यादा कोविड19 के टेस्ट कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि हाई रिस्क ग्रुप का आर0टी0पी0सी0आर0 टेस्ट किया जाए।

इससे कोरोना के प्रसार को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जनपदों में इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर पूरी सक्रियता के साथ संचालित किए जाएं। जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रतिदिन बैठक कर स्थिति की समीक्षा और आगे की रणनीति तय करें। यह बैठक सुबह कोविड अस्पताल में तथा शाम को इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में आहूत की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डोरटूडोर

सर्वे कार्य तेजी से संचालित किया जाए। सर्वे के दौरान पल्स ऑक्सीमीटर के माध्यम से लोगों के ऑक्सीजन स्तर की जांच की जाए। निर्धारित स्तर से कम ऑक्सीजन वाले व्यक्तियों को अस्पताल भेजकर वहां उनकी विस्तृत जांच एवं आवश्यकतानुसार उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने नॉनकोविड चिकित्सालयों में कोविड19 के प्रोटोकॉल के अनुरूप ओ0पी0डी0 सेवा संचालित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार सभी सावधानियां बरतते हुए सामुदायिक तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर भी ओ0पी0डी0 सुविधा प्रारम्भ की जाए। मुख्यमंत्री आरोग्य मेला को शुरू करने के सम्बन्ध में विचार किया जाए। इससे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि भी होगी। उन्होंने कोविड19 के प्रति जनता को जागरूक करने के अभियान को जारी रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि निवेश प्रस्तावों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निवेशकों तथा उद्यमियों की समस्याओं को समयबद्ध ढंग से दूर किया जाए। विभिन्न नीतियों के तहत अनुमन्य सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाए। इसके लिए जिला, मण्डल तथा राज्य मुख्यालय स्तर पर निरन्तर अनुश्रवण किया जाए। उन्होंने बताया कि वे उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट 2018 के अवसर पर किए गए एम0ओ0यू0 के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथसाथ सम्बन्धित निवेशकों के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग को गो आश्रय स्थलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।